शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paà¿er : www.goodluckà¿ublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 56 | गुवाहाटी | सोमवार, 23 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस का काम सिर्फ लोगों को बरगलाना और वोट बैंक बनाना : योगी आदित्यनाथ पेज 2

स्वतंत्रता दिवस पर उल्फा-आई की असम को दहलाने की थी नापाक साजिश पेज 3

तत्परता से करें लोगों की समस्याओं का निस्तारण : योगी पेज 5

भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 280 रनों से किया पराजित पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुख भोगने वाला आग चलकर सुखी हो सकता है लेकिन दुख देने वाला कभी सुख नहीं भोग सकता। - **आचार्य चाणक्य**

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कौशल विकास रथ को दिखाई हरी झंडी

भरतपुर (हिंस)। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी रविवार को भरतपुर पहुंचे। यहां चौधरी ने वन नेशन वन इलेक्शन पर कहा कि इस पर कैबिनेट ने मोहर भी लगा दी है। लेकिन अभी देश नहीं जानता कि उसकी रूपरेखा क्या है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की अध्यक्षता में कमेटी ने अध्ययन किया। उससे पहले लॉ कमीशन के लिए एक रिपोर्ट आई है। इसमें अभी कई तकनीकी पहलू हैं। इसमें संविधान संशोधन की भी आवश्यकता होगी। जब इस चीज को लेकर सदन में मसौदा तैयार होगा। तब देश के साथ इसकी चर्चा होगी, लेकिन इस बारे में अभी कहना बहुत जल्दी होगी। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर चौधरी ने -शेष पृष्ठ दो पर

कैंसर के निदान के लिए 7.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान की घोषणा की : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विलमिंगटन, डेलावेयर में क्वाड लीडर्स समिट के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आयोजित क्वाड कैंसर मूनशॉट कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कैंसर परीक्षण, स्क्रीनिंग और निदान के लिए 7.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान की घोषणा की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, रोग का पता लगाने और उपचार के उद्देश्य से राष्ट्रपति बाइडेन की इस विचारशील पहल की गहराई से सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम इंडो-

पैसिफिक देशों में लोगों को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में लंबा रास्ता तय करेगा। उन्होंने कहा कि भारत देश में बड़े पैमाने पर सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम भी चला रहा है। भारत के स्वास्थ्य सुरक्षा प्रयासों की बात करते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि देश ने सर्वाइकल कैंसर का टीका विकसित किया है और इस बीमारी के लिए एआई आधारित उपचार प्रोटोकॉल पर काम कर रहा है। कैंसर मूनशॉट पहल में भारत के योगदान के रूप में प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक आज

नई दिल्ली (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक सोमवार को तिरुपति में बुलाई गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए विहिप के अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने बताया कि आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के संतों की इस बैठक में हिंदू समाज के समक्ष खड़ी चुनौतियों और उनके समाधानों पर मंथन किया जायेगा। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम् में मिलावट व उससे उत्पन्न स्थिति पर भी विचार होगा। उन्होंने बताया कि विहिप का सर्वोच्च नीति निर्धारक मंच संतों का है, जिसमें केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्यों के संतों की भूमिका अग्रणी रहती है। इसकी वर्ष में दो -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

लोक गायिका शारदा सिन्हा के पति का निधन

पटना (हिंस)। पद्मश्री, पद्मविभूषण से सम्मानित लोक गायिका शारदा सिन्हा के पति डॉ. ब्रिज भूषण सिन्हा का निधन रविवार को इलाज के दौरान हो गया। करीब 80 साल के रहे डॉ. ब्रिज भूषण सिन्हा दो दिन पहले गिर गये थे। गिरने से उनके सिर में चोट आयी थी, जिससे ब्रेन हेमरेज हो गया था। शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान ने कहा कि दो दिन पहले घर में ही गिर जाने की वजह से उनके सिर में चोट आई थी। चोट से ब्रेन हेमरेज -शेष पृष्ठ दो पर

कानपुर देहात अग्निकांड में छह मजदूरों की मौत दो अभियुक्त गिफ्तार

कानपुर देहात (हिंस)। जनपद के रनिया औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार सुबह एक गत्ता फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस घटना में छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से झुलस गए हैं। मामले में पुलिस ने फैक्टरी के मालिकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और दो अभियुक्तों को गिफ्तार भी कर लिया गया है। कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि शनिवार को -शेष पृष्ठ दो पर

उद्धव से मिले सत्यपाल मलिक

करेंगे प्रचारमुंबई (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने रविवार को बांद्रा स्थित मातोश्री बंगले पर शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। इसके बाद सत्यपाल मलिक ने कहा कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी का प्रचार करेंगे। मलिक ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान दावा किया कि महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी को बढ़त मिलने वाली है। उद्धव ठाकरे राज्य में भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इसी तरह राज्य में महाराष्ट्र महाविकास आघाड़ी और देश में -शेष पृष्ठ दो पर

संतों को समाज कल्याण के लिए राजनीति में योगदान देना चाहिए : ऋतेश्वर महाराज

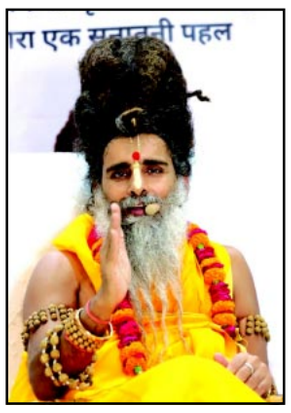

जयपुर (हिंस)। बंगाली बाबा के आश्रम में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में आंनदम धाम ट्रस्ट के पीठाधीश्वर सद्गुरु डॉ. ऋतेश्वर महाराज जी ने भारतीय संस्कृति, धर्म और शिक्षा को पुन: जीवंत करने के लिए अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से सनातन विश्वविद्यालय और गुरुकुलम निर्माण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान हमारी सनातन परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए आवश्यक हैं। सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने प्रवचन के दौरान कहा कि आज के समय में संतों और आध्यात्मिक गुरुओं का राजनीति से जुड़ाव बेहद आवश्यक है। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि जब तक संत और ऋषि, समाज और राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका नहीं निभाएंगे, तब तक समाज में नैतिकता और सच्चाई की स्थापना कठिन होगी। सद्गुरु जी ने यह भी कहा कि धर्म और राजनीति का गहरा संबंध है, -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद के खात्मे तक पाकिस्तान के साथ कोई वार्ता नहीं : अमित शाह

नौशेरा (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद पर सख्त रुख अख्तियार करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी हों या कोई पत्थरबाज, उससे कड़ाई से निपटेंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खत्म होने तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रविंदर रैना के समर्थन में नौशेरा में एक चुनावी जनसभा में कहा कि वह प्रदेश के युवाओं से बात करना चाहेंगे, जिन्हें उन्होंने शेर कहा। उन्होंने कहा कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन पत्थरबाजों और आतंकियों को रिहा करना चाहता

है जैसा कि उनके घोषणापत्र में वादा किया है पर हम ऐसा होने नहीं देंगे। फारूक अब्दुल्ला जम्मू की पहाड़ियों में आतंकवाद के फिर से पनपने की बात कर रहे हैं लेकिन वे उन्हें बताना चाहते हैं कि यह मोदी सरकार है और हम आतंकवाद को पाताल में दफना देंगे। किसी भी आतंकी या पत्थरबाज को रिहा नहीं किया जाएगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि एनसी और कांग्रेस पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए जोर दे रहे हैं। वे फारूक अब्दुल्ला और राहुल गांधी से कहना चाहते हैं कि जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं हो जाता तब तक पाकिस्तान के साथ कोई वार्ता नहीं होगी। शाह ने कहा कि वे अपने शेरों (जम्मू-कश्मीर के युवाओं) से बात -शेष पृष्ठ दो पर

संघ प्रमुख ने जनजातीय समाज के बीच व्यापक रूप से कार्य करने का किया आह्वान

समालखा में अ.भा. वनवासी कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता सम्मेलन का समापन

समालखा (हिंस)। हरियाणा के समालखा में पट्टी कल्याणा स्थित सेवा धाम में देशभर से जुटे लगभग दो हजार जनजातीय प्रतिनिधियों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी दो दिन रहे। उन्होंने समापन सत्र को संबोधित करते हुए सम्मेलन में आए सभी प्रतिनिधियों से अपने क्षेत्र में जाकर जनजाति बंधुओं के बीच में व्यापक रूप से कार्य करने का आह्वान किया। उससे पूर्व उन्होंने सत्रों में उपस्थित रहकर जनजातीय समाज के लोगों की बातें सुनीं। उनके साथ बिरहोर जनजाति के बीच काम

कर रहे जशपुर के पद्मश्री जगेश्वर भगत विशेष रूप से उपस्थित रहे। इससे पूर्व, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता सम्मेलन के तीसरे दिन रविवार को प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने कहा कि जनजातीय समाज विशाल सनातनी समाज का आधार स्तंभ है। हम सभी की जड़-नाल वनों में ही गड़ी हुई है। प्राचीन वेदों की रचना में वनवासी समाज का भी अहम योगदान रहा है। सभी जनजाति समाज के पर्व-त्यौहार एवं पूजा पद्धति सनातनी परंपरा से मिलते हैं, जिसका भाव एक ही है। हमें अलग करने का षड्यंत्र अंग्रेजों की देन है। उस झूठे, मनगढ़ंत और भ्रमित विमर्श को दूर करने -शेष पृष्ठ दो पर

हेमंत सरकार के वोटर बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर करेगी भाजपा : केशव प्रकाश मौर्य

कोडरमा (हिंस)। भाजपा की परिवर्तन यात्रा रविवार को कोडरमा पहुंची। सुभाष चौक से लेकर ब्लॉक मैदान तक परिवर्तन रथ पर सवार होकर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और विधायक डॉ. नीरा यादव समेत अन्य भाजपा नेता कार्यक्रम स्थल ब्लॉक मैदान पहुंचे, जहां परिवर्तन सभा का आयोजन किया गया। परिवर्तन सभा में मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए और उन्होंने हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की हुंकार भरी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। ना सहेंगे, ना कहेंगे अब बदल के रहेंगे, के नारे के

साथ जनसभा की शुरुआत हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रकाश मौर्य ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की बाढ़ आ गई है। झारखंड में इनको संरक्षण देने वाले लोगों को इस बार के चुनाव में जनता बाहर का रास्ता दिखाएगी। वर्तमान की हेमंत सोरेन सरकार अपना वोटर मानकर इन्हें संरक्षण दे रही है, जबकि भाजपा इन्हें घुसपैठिया मानकर झारखंड के -शेष पृष्ठ दो पर

असम के अधिकांश जिलों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने का अनुमान

गुवाहाटी (हिंस)। अगले 48 घंटों में असम के अधिकांश जिलों में तापमान 38.0 डिग्री सेल्सियस को पार कर सकता है। मौसम विभाग ने आज इसकी भविष्यवाणी की है। गुवाहाटी के बाराझार हवाई अड्डे परिवार में स्थित भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) कार्यालय द्वारा जारी एक बुलेटिन में कहा गया है कि अगले 48 घंटों में असम के अधिकांश जिलों में अत्यधिक तापमान और आर्द्र स्थिति होने की संभावना है। मौसम विभाग के निदेशक संजय साव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया, आज (22 सितंबर) गुवाहाटी में दिन के एक बजे तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन ढलने के साथ यह थोड़ा कम होकर 37.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। गुवाहाटी में कल (21 सितंबर) औसत तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने बताया, सिलचर में आज का तापमान 38.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया लेकिन 27 सितंबर तक यह बढ़कर 41.0 डिग्री हो सकता है। संजय साव ने यह भी बताया कि असम के कई जिलों में अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस से ऊपर है, तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। बढ़ते तापमान के बारे में बताया कि आंशिक रूप -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल की खाड़ी में ट्रॉलर डूबने से लापता नौ में से आठ मछुआरों के शव बरामद

कोलकाता (हिसं)। बंगाल की खाड़ी में ट्रॉलर डूबने से लापता हुए नौ में से आठ मछुआरों के शव रविवार को बरामद किए गए। शुक्रवार देर रात बंगाल की खाड़ी में टार्नेडो (तूफान) की चपेट में आकर मछुआरों का एक ट्रॉलर डूब गया था। इस ट्रॉलर का नाम एफबी गोविंद था, जिसमें कुल नौ मछुआरे सवार थे। हादसे के बाद से सभी मछुआरे लापता हो गए थे। शनिवार सुबह यह खबर मिलने पर काकद्वीप से कई ट्रॉलरों को डूबे हुए ट्रॉलर की तलाश में भेजा गया। पश्चिम बंगाल के सुंदरबन मामलों के मंत्री बंकीम हाजरा -शेष पृष्ठ दो पर

रेलवे ट्रैक पर मिले डेटोनेटर

बुरहानपुर (हिंस)। खंडवा-भुसावल रेल खंड पर बुरहानपुर जिले के नेपानगर के पास सागफाटा और डोंगरगांव स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर कुछ डेटोनेटर (ट्रेन को इमरजेंसी में रोकने के लिए उपयोग होने वाला पटाखा) मिलने से हड़कंप मच गया। यहां से सेना के जवानों को ले जा रही ट्रेन गुजरने वाली थी। ट्रेन के पहुंचने से पहले ही कुछ डेटोनेटर फट गए। इससे रेलवे अधिकारी अलर्ट हो गए और सागफाटा स्टेशन पर ट्रेन को रोकना -शेष पृष्ठ दो पर

प्रसादम में पशु चर्बी : प्रायश्चित के लिए 11 दिन के उपवास पर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण

नई दिल्ली (हिंस)। आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं फिल्म अभिनेता पवन कल्याण ने आज गुंटूर के श्री दशावतार वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से 11 दिनों की प्रायश्चित दीक्षा तपस्या शुरू की है। वह अगले 11 दिन व्रत रखेंगे और भगवान तिरुपति से क्षमा मांगेंगे। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में उपयोग होने वाले घी में पशु वसा होने के चलते उन्होंने पिछली सरकार की गलतियों की क्षमा प्राप्ति के लिए यह तपस्या करने का फैसला

किया है। एक एक्स पोस्ट में उप मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान अमेरिका ने भारत को लौटाई 297 प्राचीन वस्तुएं

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी पक्ष ने भारत से चुराई गई या तस्करी की गई 297 प्राचीन वस्तुओं को वापस कर दिया। इन्हें जल्द भारत वापस लाया जाएगा। विलमिंगटन, डेलावेयर में अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रतीकात्मक रूप से कुछ चुनिंदा वस्तुएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति बाइडेन को दिखाए गए। प्रधानमंत्री ने इन कलाकृतियों की वापसी में उनके समर्थन के लिए राष्ट्रपति बाइडेन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ये वस्तुएं न केवल भारत की ऐतिहासिक भौतिक संस्कृति का हिस्सा थीं, बल्कि यह सभ्यता और चेतना का आंतरिक

मूल थीं। उल्लेखनीय है कि ये पुरावशेष लगभग 4000 वर्ष पुराने हैं, जो 2000 ईसा पूर्व से 1900 ई. तक फैले हैं और इनका इतिहास भारत के विभिन्न भागों से है। अधिकांश पुरावशेष पूर्वी भारत की टेराकोटा कलाकृतियाँ हैं, जबकि अन्य पत्थर, धातु, लकड़ी और हाथीदांत से बनी हैं और देश के विभिन्न भागों से संबंधित हैं। 2016 से अमेरिका से भारत को लौटाई गई सांस्कृतिक कलाकृतियों की कुल संख्या 578 है। यह किसी भी देश द्वारा भारत को लौटाई गई सांस्कृतिक कलाकृतियों की अधिकतम संख्या है। मध्य भारत से बलुआ पत्थर में बनी अप्सरा जो 10-11वीं शताब्दी ई. की है। मध्य भारत से कांस्य में बनी जैन तीर्थंकर की मूर्ति जो 15-16वीं शताब्दी ई. की है। पूर्वी -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली चुनाव मेरी ईमानदारी की अग्नि परीक्षा : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (हिंस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की जमकर आलोचना की। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर ईडी, सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाया। साथ उन्होंने कहा कि दिल्ली के चुनाव उनकी ईमानदारी की अग्नि परीक्षा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद आज केजरीवाल ने दिल्ली के जंतर मंतर में जनता की अदालत लगाई। इसमें आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार ने आम आदमी पार्टी के दिल्ली में ईमानदारी से जनता के हित में किए गए कार्यों से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoà¿à¿ers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कांग्रेस का काम सिर्फ लोगों को बरगलाना और वोट बैंक बनाना : योगी आदित्यनाथ

जींद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जस राम के नाम से हमें मोह बंधन से मुक्ति मिलती है, उसी राम के नाम से कांग्रेस को परेशानी होती है। अगर आजादी के तत्काल बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं हो पाया तो इसके लिए सैक्यूलर का लबादा ओढ़ने वाले दल जिम्मेवार हैं। कांग्रेस लोबी जीवनभर यही काम करती रही है। सभी दल परिवारवाद में मस्त हैं। यह लोग कभी बाबा साहेब का अपमान करते हैं तो कभी राम और भगवान श्रीकृष्ण का। सब मिल कर भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने का काम करते हैं। कांग्रेस ने अपने आजादी के बाद सबसे ज्यादा लंबे समय तक देश के अंदर शासन करने के बावजूद एक भी एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर नहीं किया। किसी भी संत के नाम पर एयरपोर्ट के नाम पर नहीं रखा है। यह लोग केवल अपने पूर्वजों के नाम पर ही नाम रखते थे। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नरवाना में आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे। यह रैली नरवाना से भाजपा प्रत्याशी कृष्ण बेदी के समर्थन में आयोजित की गई थी। इस दौरान उनके साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, नरवाना प्रत्याशी कृष्ण बेदी, जिलाध्यक्ष तेजिंदर ढुल, प्रभारी मदन गोयल, पूर्व सांसद अशोक तंवर आदि मौजूद रहे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी जब भी बाहर जाते हैं तो भारत की आस्था को लेकर प्रचार करते हैं, गुरू परम्परा पर टिप्पणी करते हैं। भारत को अपमानित करने का कोई भी अवसर नहीं चूकते हैं। ये लोग जो देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं, इन लोगों से उम्मीद रखना बेमानी होगा। कांग्रेस आज इस बेमानी पर उतर चुकी है। आजादी के बाद 75 वर्षों में लगातार अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए समाज को लड़ाने का काम किया। जातिगत सेनाएं खड़ी की। अगर हमें विकास करना है तो हमें इन बैरियर्स को पार करना होगा जो जातिवाद के नाम पर है। मत और सम्प्रदाय के नाम पर है। इन सबसे ऊपर उठ कर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में विस चुनाव होने वाला है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति के बारे में आप सब जानते हैं। हर तीसरे दिन दंगे होते थे। बेटियां सुरक्षित नहीं थी। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दंगों से उत्तर प्रदेश को मुक्ति दिला दी है। पिछले साढ़े सात साल में एक भी दंगा उत्तर प्रदेश में नहीं हुआ है। दंगा करने वाला जानता है कि अगर उसने दंगा किया तो उसकी सात पुश्तों की कमाई जब्त हो जाएगी। आज सबका साथ और सबका विकास के तहत कार्य किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश की तरह हरियाणा की भी डबल इंजन की सरकार ने बड़े-बड़े काम किए हैं। मनोहरलाल व नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार ने हर वर्ग का कल्याण किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने राज्य की तुलना हरियाणा से करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास की नई राहें खोली हैं। वहां पिछले साढ़े सात वर्षों में एक भी दंगा नहीं हुआ है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में दंगे आम बात थे लेकिन भाजपा की सरकार ने प्रदेश को दंगों से मुक्त किया। भाजपा सरकार ने जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर विकास कार्य किए हैं और हरियाणा को भारत के विकास के केंद्र में लाने का काम किया है।

डॉ. स्वर्गरी ने शहीदों की समाधि की रखी आधारशिला

कोकराझाड़। स्थानीय नायकों के बलिदान को सम्मानित करने की एक हार्दिक पहल में, बीटीसी ईएम (सूचना और जनसंपर्क, पीएचई आदि), डॉ. निलुट स्वर्गरी ने आज द्विफांग नलबाड़ी में शहीदों की समाधि की आधारशिला रखी। समारोह के दौरान, डॉ. स्वर्गरी ने बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में शांति और प्रगति के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को याद करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्मारक शहीदों के लिए एक स्थायी श्रद्धांजलि के रूप में काम करेगा और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। उन्होंने बीटीसी के बीटीआर को एक संपन्न समुदाय के रूप में विकसित करने के प्रति समर्पण की भी पुष्टि की, इन चल रहे प्रयासों में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो के नेतृत्व पर प्रकाश डाला।

कार और कंटेनर की टक्कर चार लोगों की मौत

मुंबई (हिंस)। बीड जिले में अंबाजोगाई-लातूर रोड पर नंदगांव पाटी के पास रविवार सुबह एक स्विफ्ट कार और कंटेनर के बीच टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची वर्दापुर पुलिस स्टेशन की टीम ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए अंबेजोगाई के शासकीय अस्पताल भेजा है। पुलिस के अनुसार आज तड़के जगलपुर से चार लोग स्विफ्ट कार से औरंगाबाद जा रहे थे। उनकी कार नंदगांव पाटी के पास अचानक सामने से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर से टकरा गई।

गैंगस्टर लारेंस विश्नोई के नाम से गाजियाबाद के बिल्डर से मांगी दो करोड़ की रंगदारी, पुर्तगाल से की गई कॉल

गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के ट्रांस हिंडन इलाके में एक बिल्डर से व्हाट्स ऐप कॉल कर दो करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। बिल्डर को कॉल करने वाले शख्स ने खुद को गैंगस्टर लारेंस विश्नोई गैंग का बताया है। इसके बाद पुलिस में भी हड़कंप मचा हुआ है। बिल्डर ने थाना शालीमार गार्डन में इस बाबत रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी सलोनी अग्रवाल ने रविवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के दयानंद पार्क में रहने वाले कारोबारी सुधीर मलिक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके मोबाइल पर एक व्हाट्स ऐप कॉल आई। इसमें कॉल करने वाले ने पहले उनसे हाल चाल पूछा और उसके बाद लारेंस विश्नोई से बात करने को कहा। उसने कहा लो भाई से बात कर लो। सुधीर मलिक ने पूछा कौन, तो सामने से आवाज आई दो करोड़ रुपए का इंतजाम कर लो। इस पर सुधीर मलिक ने कहा कि वे इतने बड़े आदमी नहीं हैं। दो करोड़ रुपए कहां से देंगे। कॉल करने वाले ने कहा कि इस कॉल को हल्के में लेने की गलती मत करना। पैसे का इंतजाम करके तैयार रखो। होशियारी मत करना मिलकर चलने में फायदा रहेगा। एसीपी अग्रवाल ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए साइबर एक्सपर्ट और सर्विलांस टीम जांच कर रही हैं। अभी तक की

हिसार की सभी विधानसभाओं में भाजपा दूसरे दलों से काफी आगे : बिप्लब देब

हिसार (हिंस)। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं चुनाव सह प्रभारी बिप्लब देब ने दावा किया है कि हम हिसार जिले की सभी सातों विधानसभा सीटों पर दूसरों से बहुत आगे चल रहे हैं। प्रदेश में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भारी बहुमत से भाजपा सरकार बनेगी। सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब रविवार को चुनाव कार्यालय सुशीला भवन में जिला अध्यक्ष अशोक सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने के अनेक टिप्स दिए व कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने थोड़े से कार्यकाल में बहुत अधिक लोकप्रियता हासिल कर ली है। वह प्रदेश जनता के चहेते बन चुके है। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें एक साधारण से साधारण कार्यकर्ता भी ऊंचे से ऊंचे पद पर पहुंच सकता है। दूसरी पार्टियों का आधार केवल वंशवाद, परिवारवाद व जातिवाद है, जबकि भाजपा का आधार उसका कैडर है। इसी कारण भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का गौरव प्राप्त हुआ है। बैठक में भाजपा प्रत्याशी डॉ. कमल गुप्ता, प्रवासी विधानसभा संयोजक रवि नैयर, नलवा के प्रवासी प्रभारी वासुदेव चावला, जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल सैनी मानी, सरोज सिहाग, कृष्ण सरसाना, जिला महामंत्री आशीष जोशी, संजीव रेवड़ी, सुजीत कुमार, तीनों मंडल अध्यक्ष विकास जैन, सुशील बुडाकिया, लोकेश असीजा, जिला प्रवक्ता एडवोकेट कृष्ण खटाणा, प्रवीण पोपली, रामचन्द्र गुप्ता, अनिल गोदारा व नलवा हलका मीडिया प्रभारी सोनू बासड़ा आदि भी उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ...

कहा कि एनडीए गठबंधन जीत दर्ज करेगा। इसमें कोई शक नहीं है। हालांकि, चुनाव में जनता तय करेगी, मेरे तय करने से कुछ नहीं होगा। जहां तक जाट समुदाय के भाजपा से नाराज होने की बात है तो, यह समाज का फैसला है। समाज में ऐसा कोई फैसला नहीं करना होता कि किस पार्टी को सपोर्ट करना है। आजकल हर वोटर खुद मंथन करता है। आजकल एक परिवार के सभी सदस्यों की भी वोट एक जगह नहीं पड़ते। जयंत चौधरी ने कौशल विकास रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो पूरे जिले में जाएगा और छात्र-छात्राओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देगा। यह एक महीने तक पूरे जिले में रथ घूमेगा। शिक्षण संस्थानों में जहां नौजवान पढ़ रहे हैं उनके बीच जाकर मंत्रालय की अनेक योजनाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कैंसर के निदान...

भारत इंडो-पैसिफिक में कैंसर की रोकथाम के लिए रेडियोथेरेपी उपचार और क्षमता निर्माण के लिए सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जीएवीआई औ क्यूयूएसी कार्यक्रमों के तहत भारत से वैक्सीन की 40 मिलियन खुराक की आपूर्ति से इंडो-पैसिफिक देशों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब क्वाड कार्य करता है, तो यह केवल राष्ट्रों के लिए नहीं होता है, यह लोगों के लिए होता है और यही इसके मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का वास्तविक सार है। भारत डबल्यूएचओ की डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल में अपने 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान के माध्यम से कैंसर की जांच, देखभाल और निरंतरता के लिए डीपीआई पर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में इच्छुक देशों को तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगा। कैंसर मूनशॉट पहल के माध्यम से क्वाड नेताओं ने इंडो-पैसिफिक देशों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की देखभाल और उपचार पारिस्थितिकी तंत्र में अंतराल को दूर करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर एक संयुक्त कैंसर मूनशॉट फैक्ट शीट जारी की गई।

विश्व हिंदू परिषद के...

बार बैठक होती है। इस बार से हमने अर्धवार्षिक बैठक क्षेत्रश: करने का निर्णय लिया है और इसकी पहली बैठक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना प्रांत के जो संत केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्य हैं। उनकी यह बैठक, तिरुपति में सोमवार को पूरे दिन चलेगी। बागड़ा ने आगे बताया कि इस बैठक में हिंदू समाज के समक्ष विभिन्न चुनौतियों के बारे में चर्चा होगी और उनके समाधान के बारे में और मुख्यत- उन समाधानों में संतों की भूमिका के बारे में कुछ निर्णय लिए जाएंगे। साथ ही तिरुपति बालाजी के मंदिर में प्रसादम् के विषय में जिस प्रकार की भ्रांतियां और चिंताजनक समाचार पूरे हिंदू समाज को बहुत व्यथित कर रहे हैं, उसके बारे में भी निश्चित रूप से चर्चा होगी। इस संबंध में संतों की भूमिका व उनके नेतृत्व में किस प्रकार का कार्यक्रम आगे किया जाए, इस विषय में भी चर्चा होने की संभावना है। कल इस बैठक में तिरुपति प्रसादम् के विषय में संतों द्वारा प्रस्ताव पारित किए जाने की भी संभावना है।

संतों को समाज कल्याण ...

और संतों को समाज कल्याण के लिए राजनीति में योगदान देना चाहिए ताकि देश की नीति प्रजा के लिए लाभकारी हो सके। सनातन विश्वविद्यालय के निर्माण पर बोलते हुए सद्गुरु ने कहा कि यह संस्थान केवल शिक्षा का केंद्र नहीं होगा, बल्कि यह बच्चों को हमारे धर्म और संस्कृति की गहराइयों से अवगत कराएगा। यहां पर बच्चों को 16 संस्कारों की शिक्षा दी जाएगी, जिससे वे न केवल एक अच्छे नागरिक बनेंगे, बल्कि अपनी संस्कृति की रक्षा करने में भी सक्षम होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि गुरुकुलम प्रणाली को पुन: स्थापित करना बेहद जरूरी है, ताकि बच्चे अपने बचपन से ही भारतीय संस्कृति और धर्म का अध्ययन कर सकें और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव से मुक्त हो सकें। सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने सभी से आह्वान किया कि वे इस महान कार्य में सहयोग करें। सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट हों। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना केवल एक शैक्षिक संस्था की स्थापना नहीं है, बल्कि यह भारतीय सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान का एक प्रयास है। कार्यक्रम के अंत में, उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से संस्थापक सदस्य बनने की अपील की ताकि सनातन बोर्ड की स्थापना हो सके और अगले 10 वर्षों में भारत में सनातन शिक्षा को मुख्यधारा में लाया जा सके। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तगण, स्थानीय नागरिक और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आतंकवाद के खात्मे ...

करेंगे, पाकिस्तान से नहीं। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा वर्षों से बनाए गए भूमिगत बंकरों का जिक्र करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि ऐसे ढांचे की कोई जरूरत नहीं होगी क्योंकि सीमा पार से किसी के पास गोली चलाने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर वे गोली चलाते हैं तो हम गोले से जवाब देंगे। शाह ने आरक्षण पर एनसी-कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी की भी आलोचना की और कहा कि पहाड़ी, गुज्जर, दलित, अन्य पिछड़े वर्गों सहित वंचित वर्गों को दिए जाने वाले आरक्षण को किसी को भी छूने की इजाजत नहीं दी जाएगी। राहुल गांधी अमेरिका में कह रहे हैं कि आरक्षण की कोई जरूरत नहीं है। वे उनसे कहना चाहते हैं कि आपको योग्य समुदायों के लिए आरक्षण खत्म करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

संघ प्रमुख ने जनजातीय...

के लिए भारतीय विमर्श स्थापित करें। समापन सत्र से पूर्व आयोजित प्रात:कालीन सत्र का प्रारंभ अरुणाचल प्रदेश की स्थानीय भाषा में प्रार्थना से हुआ, जिसका भावार्थ यही था कि सबका कल्याण हो। इसके बाद सभी जनजाति के वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि शनिवार शाम से देशभर की 80 जनजातीयों ने एक बड़े मैदान में अलग-अलग अपनी-अपनी पूजा पद्धतियों को प्रदर्शित किया, जिससे यह संदेश मिला कि भले पूजा के तौर तरीके अलग अलग हों, पर सभी में पंचतत्व के पूजन की समानता है। सभी सनातन संस्कृति से एक हैं। यही बात प्रात:कालीन सत्र में सभी जनजातीयों के प्रतिनिधियों ने दोहराई। इस सबका सार अपने भाषण में संकलित करते हुए कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि परतंत्रता के कालखंड में हमारी सनातन संस्कृति को नष्ट भ्रष्ट करने और हमें विभाजित करने के षड्यंत्र रचे गए। उसी क्रम में अंग्रेजों ने अपने शासनकाल में इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पुस्तकों के माध्यम से रचा। जनजाति समाज संग्रही प्रवृत्ति का नहीं होता वह प्रकृति से उतना ही लेता है जितना उसे जरूरत है, ऐसे जनजाति समाज के अस्तित्व को बचाना हम सभी का कर्तव्य बनता है। वर्तमान समाज में जो विमर्श भ्रम फैला रहे हैं, उस भ्रामक विमर्शों से समाज को बचाने के लिए हमारे विमर्श स्थापित होने चाहिए। वर्तमान समय में हमारा विमर्श हमारी संस्कृति अरण्य संस्कृति है। नगरवासी-वनवासी हम सब भारतवासी इस ध्येय वाक्य पर वनवासी कल्याण केंद्र कार्य कर रहा है। इस सत्र को सम्बोधित करते हुए डॉ. राजकिशोर हांसदा ने भारत में लव जिहाद और लैंड जिहाद की समस्या पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समस्या झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन लगातार बढ़ रही है। वहां घुसपैठ कर आए बांग्लादेशी मुसलमान संथाली जनजाति की लड़कियों को झांसे में लेकर विवाह करते हैं और जनसंख्या बढ़ाने के साथ जमीन भी हड़प रहे हैं। इसके खिलाफ हम सभी को एक संग्राम छेड़कर अपने बहन-बेटी, जंगल-जमीन के साथ धर्म की रक्षा भी करना होगा। नगालैंड के डॉ. थुंबई जेलियांग ने नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में धर्मांतरण विषय पर कहा की मतांतरित लोग वहां के स्थानीय लोगो को ही बाहरी साबित करने पर लगे हुए हैं। वनवासी कल्याण आश्रम के द्वारा संचालित विद्यालयों के साथ देश के अन्य स्थानों में स्थानीय बच्चों को पढ़ने की सुविधा से धर्मांतरण कराने वाले लोग विचलित हो गए हैं। छत्तीसगढ़ प्रांत के संगठन मंत्री रामनाथ ने बस्तर के माओवाद समस्या पर कहा कि जिस जनजाति का अस्तित्व जंगल होता है उस जंगल में माओवादी लैंड माइंस बिछाए पड़े हैं, जहां वे स्वतंत्र रूप से जा नहीं सकते हैं। वहां के लोगों को सरकारी सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ता है, कारण सबके पास आधार कार्ड नहीं है। आधार बनाने के लिए शहर जाते हैं तो मुखबिर माओवादी बताकर परेशान करते हैं। मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। सरकारी विद्यालयों और आंगनबाड़ी के पक्के मकानों को तोड़ दिया जाता है, कारण वहां सुरक्षा बल रहने आते हैं। शिक्षा से वंचित रखकर माओवादी अशिक्षा के आड़ में ग्रामवासियों को अपने पक्ष में कर लेते हैं। ऐसे जनजाति क्षेत्रों में शिक्षा स्वास्थ्य संगठन के कार्य व्यापक रूप में करने की आवश्यकता है।

हेमंत सरकार के वोटर ...

मान सम्मान के साथ खिलवाड़ एवं झारखंड के लोगों के हक और अधिकार को छीनने वाली मानती है। भाजपा की सरकार इन घुसपैठियों को बाहर करके रहेगी। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के सरकार के कार्यकाल में जिस तरह से सरकार में शामिल लोगों के ठिकानों से जांच एजेंसियों के द्वारा नोटों का पहाड़ बरामद किया गया है। इस तरह के भ्रष्टाचार से आज पूरा देश वाकिफ है। देश के लोगों ने किसी सरकार में इतना भ्रष्टाचार अभी तक नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल झारखंड में जमानत वाली सरकार है। यहां के मुख्यमंत्री बेल पर हैं, ऐसी सरकार से राज्य का भला नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राज्य में जब डबल इंजन की सरकार होगी तो रफ्तार भी डबल होगी, और इसे साकार करने का समय आ गया है। उन्होने कहा कि जहां-जहां परिवर्तन यात्रा होती है वहां भाजपा की सरकार बनना तय हो जाता है और यहां भी इस परिवर्तन यात्रा के जरिए सत्ता का परिवर्तन का रास्ता तय हो गया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि हेमंत सरकार के 5 साल पूरे होने को है, लेकिन जितने वादे सरकार बनने से पूर्व किए गए थे, सारे वादे अभी भी अधूरे हैं और राज्य की जनता ठगी हुई महसूस कर रही है। विधायक डॉ. नीरा यादव ने भी सभा को संबोधित करते हुए हेमंत सरकार की नाकामियों को गिनाया। कार्यक्रम को लोकसभा प्रभारी राकेश प्रसाद, जिलाध्यक्ष अनूप जोशी सहित भाजपा के कई नेताओं ने भी संबोधित किया। मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष नितेश चंद्रवंशी, प्रभारी अभिमन्यु प्रसाद, रमेश सिंह, रामचंद्र सिंह, रमेश हर्षधर, सुनीति सेठ, राजेश सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बंगाल की खाड़ी में ...

ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में आए प्राकृतिक आपदा में एक ट्रॉलर डूब गया, जिसमें नौ मछुआरे लापता हो गए थे। दो दिन की कोशिशों के बाद ट्रॉलर को ढूंढा जा सका है। अब तक आठ मछुआरों के शव बरामद हुए हैं। एक मछुआरा अभी भी लापता है। उसकी तलाश जारी है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। घटनास्थल पर मृतकों के परिजन रोते-बिलखते नजर आ रहे हैं। मौके पर मंत्री हाजरा, मथुरापुर लोकसभा सदस्य बापी हालदार, सुंदरबन जिले के पुलिस अधीक्षक समेत कई अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। रविवार सुबह से ट्रॉलर को ढूंढने का काम कई मुश्किलों के बाद शुरू किया गया। अंतत: ट्रॉलर एफ बी बाबा गोविंद को खोजने के बाद इसे करीब आठ अन्य मछुआरों की ट्रॉलरों की मदद से नामखाना ब्लॉक के हरिपुर के पास लुथियान द्वीप तक खींचा गया। ट्रॉलर में तलाशी अभियान के दौरान अब तक आठ मछुआरों के शव बरामद किए जा चुके हैं। एक मछुआरा अभी भी लापता है, जिसकी खोज जारी है। बरामद सभी मछुआरों के शवों की पहचान की प्रक्रिया चल रही है।

रेलवे ट्रैक पर...

पड़ा। यह घटना 18 सितंबर की है, लेकिन रविवार को इसकी जानकारी सामने आई है। इस मामले में आरपीएफ, एटीएस के अलावा कई सुरक्षा और खुफियां एजेंसियां जांच में जुट गई हैं। हालांकि रेलवे की ओर कहा गया है कि जो डेटोनेटर्स बरामद किए गए हैं, उन्हें रेलवे की ओर से ही इस्तेमाल किया जाता है लेकिन जिस जगह वह लगाए गए थे, वहां लगाने का औचित्य नहीं था। ऐसे में ये डेटोनेटर्स वहां किसने लगाए, इसकी जांच की जा रही है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, 18 सितंबर को जम्मू-कश्मीर से कर्नाटक जा रही आर्मी स्पेशल ट्रेन जैसे ही सागफाटा और डोंगरगांव के बीच पहुंची, अचानक डेटोनेटर फटने शुरू हो गए। लोको पायलट ने ट्रेन रोकी, लेकिन कोई कारण पता नहीं चला। बाद में उसने सागफाटा स्टेशन मास्टर को मेमो देने के साथ भुसावल में भी सूचना दी थी। जिसके बाद ट्रेन को दोपहर करीब ढाई बजे सागफाटा स्टेशन पर आधे घंटे तक रोका गया। ट्रैक पर रखे डेटोनेटर 2014 के बताए जा रहे हैं। यह पांच साल के लिए ही वैध रहते हैं। छठवें साल में इनका टेस्ट होता है। इन्हें रेलवे ही बनाता है। मामले को रेल मंत्रालय ने काफी गंभीरता से लिया है। आर्मी के अधिकारी भी जांच में जुटे हैं। वे पूछताछ के लिए चाबीदार और ट्रैकमैन की कस्टडी मांग रहे हैं। मध्य रेलवे भुसावल मंडल के पीआरओ जीवन चौधरी ने कहा है कि अभी मामले की जांच चल रही है। डॉग स्क्वायड की मदद से भी छानबीन की जा रही है। मध्य रेलवे के पीआरओ चौधरी ने बताया कि मध्य रेलवे के भुसावल रेल मंडल में नेपानगर से लेकर खंडवा के बीच स्थित सागफाटा स्टेशन के पास में कुछ डेटोनेटर ट्रैक पर लगाने का मामला 18 तारीख को घटित हुआ है। इस घटना में जो डेटोनेटर्स इस्तेमाल किए गए हैं, ये रेलवे के द्वारा रेगुलर काम में इस्तेमाल किए जाने वाले डेटोनेटर्स हैं, इन्हें पटाखे बोला जाता है और जब ये फटते हैं तब इसकी बहुत तेज आवाज होती है। ये डेटोनेटर ट्रैक मैन, चाबी मैन व रेलवे फाटक में पदस्थ कर्मचारियों को उपलब्ध कराए जाते हैं। यदि कर्मचारियों को कहीं रेल पटरी टूटने अथवा किसी और वजह से ट्रेन के दुर्घटना ग्रस्त होने का खतरा महसूस होता है, तब वे पास रखे दस पटाखों में से दो को रेल पटरियों पर रख कर फोड़ते हैं, जिससे लोका पायलट को संकेत मिल जाता है और वह ट्रेन रोक देता है।

असम के अधिकांश ...

से बादल छाए रहना और दिन के दौरान उच्च सौर ऊर्जा अधिकतम तापमान का कारण है। मौसम विभाग ने कहा है कि पश्चिम असम में अधिकतम तापमान 36.0-38.0 डिग्री सेल्सियस से नीचे रह सकता है। इसके अलावा मध्य असम में तापमान 35.0-37.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। यूं तो दक्षिण असम में तापमान 34.0-36.9 डिग्री के बीच है लेकिन अगले पांच दिनों में इसके 38.0 से 41.0 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है. कल की बुलेटिन की जानकारी के साथ उन्होंने बताया कि 21 सितंबर को राज्य के विभिन्न इलाकों में उत्तरी लखीमपुर में 38.6, डिब्रूगढ़ (एपी) में 38.5, तेजपुर में 38.5, नागांव में 38.2, गुवाहाटी एयरपोर्ट में 38.2, रंगिया में 38.0, तिनसुकिया में 37.9, मजबाट में 37.8, ग्वालपारा में 37.8, धुबड़ी में 36.8 और जोरहाट में 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम अधिकारी संजय साव ने शहरवासियों को पड़ रही गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ सलाह दी है। उन्होंने कहा, घर से बाहर निकलते समय हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनने से गर्मी का अहसास थोड़ा कम होगा। इसके अलावा आपको पीक आवर्स के दौरान बाहर जाते समय अपने सिर को ढकने के लिए टोपी या छाते का उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार निर्जलीकरण से बचने के लिए प्यास न लगने पर भी पर्याप्त पानी पीना बहुत महत्वपूर्ण है। किसानों के साथ-साथ श्रमिकों को भी पीक आवर्स के दौरान सीधी धूप में लंबे समय तक रहने से बचना चाहिए। उन्होंने एक और बहुत महत्वपूर्ण सलाह दी। उन्होंने कहा, किसी भी परिस्थिति में बच्चों या घरेलू जानवरों जैसे कुत्ते, पक्षियों को पार्क किए गए वाहनों में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त दिन के व्यस्त समय के दौरान जुलूसों और सभाओं की निगरानी आवश्यक है।

दिल्ली चुनाव मेरी ...

परेशान होकर उन्हें जबरन झूठे मामले में फंसाने की कोशिश की है। उनका मकसद हमारी ईमानदारी पर चोट करना है। केजरीवाल ने कहा कि मैं राजनीति में पैसे कमाने नहीं बल्कि देश और जनता की सेवा करने आया था और आज भी जनता की सेवा कर रहा हूं। अपने भाषण में केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी के कार्य करने के तरीके को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी कुछ सवाल पूछे। उन्होंने इस दौरान उनके आवास को लेकर चल रहे विवाद पर भी टिप्पणी की। केजरीवाल ने कहा कि आज उनके पास रहने के लिए घर नहीं है। पिछले 10 सालों में उन्हें मिले जनता के प्यार से आज हर कोई उन्हें अपने घर में रहने के लिए आमंत्रित कर रहा है। वह श्राद्ध के बाद इन्हीं में से किसी के घर रहने जाएंगे। अपने दिल्ली के चुनावी अभियान की शुरुआत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि इस बार का राज्य का चुनाव उन्हें ईमानदार साबित करने का मौका है। अगर जनता को लगता है कि वह ईमानदार हैं तो उन्हें वोट करें। उन्होंने इसे अग्नि परीक्षा की संज्ञा दी।

प्रधानमंत्री की यात्रा...

भारत से टेराकोटा फूलदान जो 3-4वीं शताब्दी ई. का है। दक्षिण भारत से पत्थर की मूर्ति जो पहली शताब्दी ई.पू.-1 शताब्दी ई. की है। दक्षिण भारत से कांस्य में बनी भगवान गणेश जो 17-18वीं शताब्दी ई. की है। उत्तर भारत से बलुआ पत्थर में बनी खड़ी भगवान बुद्ध जो 15-16वीं शताब्दी ई. की है। पूर्वी भारत से कांस्य में भगवान विष्णु की प्रतिमा जो 17-18वीं शताब्दी ई.पू. की है। उत्तर भारत से तांबे में मानवरूपी आकृति जो 2000-1800 ई.पू. की है। दक्षिण भारत से कांस्य में भगवान कृष्ण की प्रतिमा जो 17-18वीं शताब्दी ई.पू. की है। दक्षिण भारत से ग्रेनाइट में भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा जो 13-14वीं शताब्दी ई.पू. की है। हाल के दिनों में सांस्कृतिक संपत्ति की वापसी भारत-अमेरिका सांस्कृतिक समझ और आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण पहलू बन गई है। 2016 से अमेरिकी सरकार ने बड़ी संख्या में तस्करी या चोरी की गई प्राचीन वस्तुएं वापस की हैं। जून 2016 में प्रधानमंत्री की यूएसए यात्रा के दौरान 10 पुरावशेष लौटाए गए। सितंबर 2021 में उनकी यात्रा के दौरान 157 पुरावशेष और पिछले साल जून में उनकी यात्रा के दौरान 105 पुरावशेष लौटाए गए।

प्रसादम में पशु चर्बी : प्रायश्चित...

कल्याण ने कहा कि हमारी संस्कृति, आस्था, विश्वास और श्रद्धा की धर्मधुरी श्री तिरुपति बालाजी धाम के प्रसाद में कुत्सित प्रयासों के तहत अपवित्रता का संचार करने की कोशिश की गई है। उससे वे व्यक्तिगत स्तर पर अत्यंत मर्माहत हैं और अंदर से अत्यंत छला गया महसूस कर रहे हैं। प्रभु वेंकटेश्वर से उनकी प्रार्थना है कि इस दु:ख के क्षण में समस्त सनातनियों को अपनी कृपा से सबलता प्रदान करें। वे अभी इसी क्षण भगवन से क्षमा प्रार्थी हैं। इसके लिए प्रायश्चित दीक्षा हेतु वे प्रण सिद्ध कर रहे हैं और ग्यारह दिवसीय उपवास हेतु धर्म संकल्पित हो रहे हैं। ग्यारह दिवसीय प्रायश्चित दीक्षा के बाद एक और दो अक्टूबर को वे तिरुपति जाकर प्रभु के साक्षात दर्शन कर क्षमा मांगेंगे, विनती करेंगे और तब भगवन के समक्ष उनकी प्रायश्चित दीक्षा की पूर्णाहूति होगी।

उद्धव से मिले ...

ताकत बढ़ रही है। मलिक पुलवामा हमले, अडानी, अंबानी समेत कई अहम मुद्दों पर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। मातोश्री बंगले पर उद्धव और मलिक के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान संजय राऊत भी मौजूद थे।

कानपुर देहात अग्निकांड ...

रनिया के खानपुर खड़ंजा रोड पर आरपी पॉली प्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस दौरान यहां रखे गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया और फैक्टरी की छत ढह गई। जब शेड को हटाया गया तो तीन लोगों की मौत हो गई थी, वहीं गंभीर घायलों को कानपुर और लखनऊ में अस्पताल भेजा गया। इनमें अमित (19) नाम के एक मजदूर ने लाला लाजपत राय (एलएलआर) अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि अजीत (16) और विशाल (20) की लखनऊ के एसजीपीजीआई में इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर छह लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे लोगों को लाला लाजपत राय (एलएलआर) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से मजदूरों को उनकी गंभीर स्थिति के बाद लखनऊ के एसजीपीजीआई में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस ने फैक्टरी के तीनों निदेशकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। इसके बाद शनिवार देर रात को तीन में से दो नामजद अभियुक्तों को गिफ्तार भी कर लिया गया है।

लोक गायिका शारदा ...

हो गया। इसके बाद उन्हें श्री साईं हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया, जहां वो वेंटिलेटर पर थे। डॉ. ब्रिज भूषण सिन्हा शिक्षा विभाग में रिजनल डिप्टी डायरेक्टर पद से रिटायर हुए थे। शारदा सिन्हा को गायिकी के इस मुकाम पर पहुंचाने में उनके पति ब्रज किशोर सिन्हा की भूमिका अहम रही। ये बातें शारदा सिन्हा ने साक्षात्कार में कई बार कहा है। शारदा सिन्हा ने 08 मई, 2020 को विवाह की 50वीं वर्षगांठ मनाया था। विवाह के बाद से ही शारदा सिन्हा को गायिकी के क्षेत्र में पेशेवर रूप से आगे बढ़ने में ब्रज किशोर सिन्हा ने हमेशा उनका साथ दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर उल्फा-आई की असम को दहलाने की थी नापाक साजिश

अब तीन महिलाओं समेत 15 लोग दबोचे गए

गुवाहटी। असम में प्रतिबंधित संगठन उल्फा-आई ने 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राज्य में 24 स्थानों पर बम लगाने का दावा किया था। बम की खबर मिलने के बाद राज्य में हड़कंप मच गया था। असम पुलिस ने अब इस मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने तीन महिलाओं समेत कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी प्रणबज्योति गोस्वामी ने बताया कि बल ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की तकनीकी सहायता से राज्य के विभिन्न हिस्सों में अभियान को अंजाम दिया। उन्होंने आगे कहा कि इस संयुक्त छापेमारी से बड़ी कामयाबी हाथ लगी और शनिवार रात को तीन महिलाओं समेत 15 लोगों पर शिकंजा कसा गया। वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आईईडी जैसी सामग्री लगाए जाने की जांच में इसे एक बड़ी सफलता करार देते हुए असम पुलिस ने कहा कि एनआईए के साथ समन्वय में लंबे समय तक खुफिया जानकारी जुटाने के बाद छापे मारे गए। पुलिस ने आगे कहा कि पकड़े गए व्यक्तियों से

प्रारंभिक पूछताछ के बाद अपराध सिद्ध करने वाले तथ्य सामने आए हैं। लंबी पूछताछ के बाद साजिश के बारे में और अधिक जानकारी मिलने की उम्मीद है। गोस्वामी ने कहा कि डिब्रूगढ़ और लखीमपुर जिलों से तीन-तीन, जोरहाट और गुवाहाटी से दो-दो और तिनसुकिया, सादिया, नगांव, नलबाड़ी और तामुलपुर से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले, शिवसागर जिले से चार लोगों को इस मामले में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वहीं, पुलिस ने मामले में शामिल लोगों की पहचान करने वाली विश्वसनीय जानकारी के लिए पांच लाख रुपये तक के नकद इनाम की घोषणा की थी। पुलिस ने लखीमपुर में पूछताछ के लिए एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा-इंडिपेंडेंट) की ओर से मीडिया घरानों को एक ईमेल भेजा गया था। इसमें आतंकी संगठन ने कहा था कि विस्फोट 15 अगस्त को सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच होने थे, लेकिन बम तकनीकी विफलता के कारण नहीं फटे। इसने 19 विस्फोटों की सही जगह की पहचान करने वाली एक सूची दी थी। साथ ही कहा था कि पांच और विस्फोटकों के स्थानों का पता नहीं लगाया जा सका है। अधिकारी ने बमों को निष्क्रिय करने में जनता का सहयोग मांगा था। गुवाहाटी में दो आईईडी जैसे उपकरण बरामद किए गए थे। वहीं, असम में बम जैसे कुल 10 पदार्थ जब्त किए गए थे।

शराब दुकान की अनुमति रद्द करने की मांग पर खरुपेटिया नगर पालिका का घेराव

दरंग (हिंस)। जिले खारुपेटिया के लोगों ने खारुपेटिया नगर पालिका की अध्यक्ष पर मनमाना रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए नगर पालिका कार्यालय का आज घेराव किया। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका की अध्यक्ष कृष्णा साहा के कार्यालय का घेराव करते हुए शहर के आबादी वाले क्षेत्र में एक शराब की दुकान खोलने के लिए दी गई अनुमति रद्द करने की मांग की। स्थानीय लोगों की शिकायत के अनुसार, खारुपेटिया के वार्ड नंबर 5 में सुभम साहा और बापन देबनाथ ने वार्ड नंबर 9 में शराब की दुकानें खोलने के लिए खारुपेटिया नगर पालिका में एक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) के लिए आवेदन किया था लेकिन एनओसी को वार्ड के निवासियों की शिकायत के बाद नहीं दिया गया। लोगों ने कहा कि इलाके में शराब की दुकानें खुलने से नई पीढ़ी का भविष्य खराब हो जाएगा। लोगों ने कहा कि बाद में गत 17 सितंबर को खारुपेटिया नगर पालिका में इस संबंध में आयोजित एक कार्यकारी बैठक में अधिकांश वार्ड सदस्यों ने शराब की दुकानों को खोलने के खिलाफ आपत्ति जाहिर की लेकिन बैठक के दूसरे दिन बड़े ही गुप्त तरीके से खारुपेटिया के आबादी वाले क्षेत्र में दो जगहों पर शराब की दुकानें खोलने के लिए एनओसी जारी कर दी गयी। इसकी जानकारी मिलते ही लोगों में भारी नाराजगी उत्पन्न हो गयी। इस कदम के विरोध में वार्ड 5 और 9 के सदस्यों के साथ-साथ अन्य वार्डों के सदस्यों और महिलाएं बेहद आक्रोशित हो गईं। शहर के वार्ड नंबर 5 के कई लोगों ने नगर पालिका कार्यालय का आज घेराव करते हुए शराब की दुकानों के लिए जारी किए गए एनओसी को अगले तीन दिनों के अंदर रद्द किए जाने की समय समय सीमा तय की है। ऐसा नहीं होने पर नगर पालिका कार्यालय के सामने जोरदार आंदोलन की चेतावनी दी है।

मोरीगांव में दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। विदेशी ट्रिब्यूनल कोर्ट द्वारा बांग्लादेशियों के रूप में घोषित दो व्यक्तियों को बीती रात मोरीगांव पुलिस की सीमांत शाखा ने गिरफ्तार किया। पकड़े गए दोनों बांग्लादेशियों को आज विदेशी शरणार्थी शिविर में भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए ये दोनों को वर्ष 2020 में विदेशी ट्रिब्यूनल द्वारा विदेशी नागरिक घोषित किया गया था। न्यायालय के फैसले के बाद से ही दोनों भागते फिर रहे थे। पुलिस ने मिकिरभेटा पुलिस स्टेशन के तहत बारसिला से दोनों बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों की पहचान नुरुल हक (41) और हुसैन अली (55) के रूप में हुई है। इसी तरह पिछले दिनों कई क्षेत्रों से बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस गिरफ्तार किया है।

98 हजार मूल्य के नकली भारतीय नोट के साथ एक गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलांतर्गत मानकाचर पुलिस ने एक अभियान चलाते हुए 98 हजार नकली भारतीय नोटों को बरामद किया है। बरामद जाली नोट 500 रुपए के हैं। इस संबंध में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। मानकाचर पुलिस ने आज बताया कि बीती रात मानकाचर में पुलिस पेट्रोलिंग करते समय गुप्त सूचना के आधार पर एक बस में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान बस में एक व्यक्ति के पास से 98 हजार के 500 रुपये के जाली नोट बरामद किए गए। इसके बाद उस व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अली हुसैन के रूप में की गई है। फिलहाल, पुलिस उससे थाने में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

एसआई जोनमनि राभा मौत मामले में 7 पुलिस कर्मियों के खिलाफ होगी जांच

गुवाहाटी (हिंस)। सब इंस्पेक्टर जोनमनि राभा की सड़क हादसे में हुई मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई की रिपोर्ट के बाद असम पुलिस के सात पुलिसकर्मियों पर जांच का निर्देश दिया गया है। सीबीआई द्वारा जोनमनि राभा की मौत मामले में पेश रिपोर्ट के बाद हैबरगांव पुलिस चौकी प्रभारी आभाज्योति राभा, जाखलाबंधा थाना प्रभारी पवन कलिता, नगांव टीएसआई उत्पल वैद्य, जखलाबंधा थाना सब इंस्पेक्टर जाकारिया चौधरी, मारीकलंग पुलिस चौकी के सब इंस्पेक्टर मनोज बरुवा, यूबी कांस्टेबल बेव बनिया और मजिबूर रहमान के खिलाफ विभागिय जांच का निर्देश दिया गया है। इन सभी पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने और दुर्घटना के बाद सबूत को सही तरह से संग्रह नहीं करने का आरोप है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में असम के गैंडे पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विश्व गैंडा दिवस पर असम के काजीरंगा नेशनल पार्क के गैंडों की फोटो शेयर की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आपका धन्यवाद! आपके नेतृत्व में असम के गैंडे पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित हैं। 2016 में डबल इंजन की सरकार के सत्ता में आने के बाद से, अवैध शिकार में 86 प्रतिशत की कमी आई है। हम अपनी जीवंत विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की आपकी प्रतिबद्धता के लिए बहुत आभारी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में कुछ समय पहले भ्रमण करते हुए अपनी कई फोटो शेयर की थीं। इन फोटोज में प्रधानमंत्री पार्क के अंदर हाथी पर बैठ कर गैंडो को देख रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि आज विश्व गैंडा दिवस पर, आइए हम अपने ग्रह की सबसे प्रतिष्ठित प्रजातियों में से एक-गैंडे की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। पिछले कई वर्षों से गैंडे के संरक्षण के प्रयासों में शामिल सभी लोगों को बधाई। यह बेहद गर्व की

बात है कि भारत में बड़ी संख्या में एक सींग वाले गैंडे हैं। मैं असम में काजीरंगा नेशनल पार्क की अपनी यात्रा को भी याद करता हूं और आप सभी से वहां जाने का आग्रह करता हूं। बता दें कि असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में एक सींग वाले गैंडों बड़ी संख्या है। इसके अलावा यहां बाघ, हाथी, पैंथर और भालू सहित कई स्तनधारी भी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। विश्व गैंडा दिवस हर साल 22 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन गैंडों की सभी पांच प्रजातियों के सम्मान उन्हें संरक्षण प्रदान करने के लिए मनाया जाता है। गैंडों की पांच प्रजातियां होती हैं। इनमें काले, सफेद, बड़े एक सींग वाले, सुमात्रा और जावन गैंडे शामिल हैं। विश्व गैंडा दिवस की घोषणा 2010 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई थी।

रंगिया : शंकरदेव शिशु निकेतन विद्यालय में नवनिर्मित सभागार का शिलान्यास

रंगिया (विभास)। रंगिया के प्रमुख निजी विद्यालय शंकरदेव शिशु निकेतन के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 50 लाख रुपए की लागत से एक आलीशान सभागार के निर्माण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में आरएसएस असम क्षेत्र प्रचारक बशिष्ठ बुजरबरुवा उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र प्रचारक ने विद्यालय के शैक्षणिक माहौल का जायजा लिया। वहीं शिलान्यास के मौके पर स्थानीय विधायक भवेश कलिता भी उपस्थित रहे। विधायक कलिता ने शिलान्यास करते हुए कहा कि निकेतन देश की सद्भावना के रूप में विकसित होने के साथ छात्र छात्राओं की संस्करात्मक यात्रा सफलता के शिखर पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि प्रेक्षागृह के निर्माण से निकेतन की बैठकें एवं समारोह सुचारु रूप से हो सकेंगे। शिलान्यास कार्यक्रम में निकेतन के प्राचार्य दिलीप कुमार लहकर, प्रचारक पंकज कलिता, सेवानिवृत्त शिक्षक खगेन शर्मा, पत्र लेखन प्रमुख नयनज्योति तालुकदार, कार्यकारी अश्विनी सैकिया सहित अभिभावक, छात्र छात्राएं और शिक्षक शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे।

धुबड़ी में पीट-पीटकर एक युवक की हत्या

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत गौरीपुर में आज नशे में धुत होकर एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार पांच दोस्त शराब पीने बाद कुछ पैसे को लेकर आपस में झगड़ने लगे। इस दौरान चार दोस्तों ने मिलकर पांचवें दोस्त की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना गौरीपुर थानांतर्गत झालेरअल्गा के प्रथम खंड इलाके में हुई। पांच युवक अशारकांदी बाजार के पास जमकर शराब का सेवन किया। बताया गया है कि अशारकांदी बाजार के पास स्थित सुकानाल के घर से देसी शराब पीने के बाद सुरुत जमाल और अल्ताप हुसैन मारपीट करते हुए नूर जमाल हुसैन की पिटाई करते हुए खेत में पहुंच गए। बाद में दो और लोग भी इस झगड़े में शामिल हो गए। इस बीच नूर जमाल हुसैन बुरी तरह से घायल हो गया। बाद में चारों ने मिलकर एक ई-रिक्शा में नूर जमाल हुसैन को बैठकर उसके घर पहुंचा दिया। जब घरवालों ने अस्वस्थ नूर जमाल हुसैन को देखा तो उसे धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने की कोशिश की लेकिन नूर जमाल की बीच रास्ते में ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच शुरू की। साथ ही नूर जमाल को पीटने वाले एक आदमी को गिरफ्तार कर पुलिस थाने ले आई है। झालेरअल्गा प्रथम खंड के आल्ताप और गौरीपुर के अन्य दो युवक घटनास्थल से फरार हो गए। गौरीपुर पुलिस ने नूर जमाल के शव को पोस्टमार्टम के लिए धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

नवनिर्मित बेजेरा हायर सेकेंडरी स्कूल का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

रंगिया (विभास)। राज्य के प्रादेशीकृत विद्यालयों को नया आकार और इनके भवन को नया रूप देने की राज्य सरकार द्वारा एक बड़ी योजना हाथों में ली गई है। वहीं वर्तमान असम के 500 विद्यालयों के भवन के नवनिर्माण की विशाल परियोजना चल रही है जिसके अन्तर्गत कामरूप ग्रामीण जिले के बेजेरा हायर सेकेंडरी स्कूल का नए रूप में निर्माण कार्य चल रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को निर्माणाधीन बेजेरा हायर सेकेंडरी स्कूल का दौरा करते हुए कहा कि आने वाले दिसंबर या जनवरी महीने में इसका काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में असम के प्रत्येक प्रादेशीकृत विद्यालयों और सरकारी हाई स्कूलों इसी तरह रूपांतरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेंट मेरिज और डॉन बॉस्को जैसे स्कूल से भी असमिया स्कूलों को सुंदर आकार दिया जाएगा और तीव्र गति से यह काम चल रहा है। उन्होने कहा कि विनियोग के अभाव में हमारे स्कूलों का परिवेश खराब हो गया है। फिलहाल प्रति स्कूल का 8-10 करोड़ रुपयों की लागत से भवन निर्माण किया जा रहा है। राज्यभर में 4,000 स्कूल है, अभी 500 स्कूलों को हातो में लिया गया है और 500 के लिए तैयारियां की जा रही है।आने वाले दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों के अन्य बहुत से स्कूलों को बेजेरा उच्च माध्यमिक स्कूल की तरह सुंदर रूप से निर्माण किया जाएगा।

पूसीरे चलाएगी फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने आगामी त्यौहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए तीन जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के परिचालन का निर्णय लिया है। पूजा स्पेशल ट्रेनें रंगापाड़ा नॉर्थ-शालिमार- रंगापाड़ा नॉर्थ, फारबिसगंज- आगरा कैंट-फारबिसगंज और न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा- न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलेंगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि 04 से 18 अक्तूबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 08047 (शालिमार-रंगापाड़ा नॉर्थ) तीन फेरों के लिए प्रति शुक्रवार को शालीमार से 18:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन रंगापाड़ा नॉर्थ 13:40 बजे पहुंचेगी। वापसी में, 05 से 19 अक्तूबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 08048 (रंगापाड़ा नॉर्थ-शालिमार) तीन फेरों के लिए प्रति शनिवार को रंगापाड़ा नॉर्थ से 16:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन शालिमार 12:30 बजे पहुंचेगी। चार अक्तूबर से 22 नवंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 04195 (आगरा कैंट-फारबिसगंज) आठ फेरों के लिए प्रति शुक्रवार को आगरा कैंट से 05:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन फारबिसगंज 15:15 बजे पहुंचेगी। वापसी में 05 अक्तूबर से 23 नवंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 04196 (फारबिसगंज-आगरा कैंट) आठ फेरों के लिए प्रति शनिवार को फारबिसगंज से 18:40 बजे रवाना होगी और सोमवार को आगरा कैंट 07:10 बजे पहुंचेगी। नौ अक्तूबर से 06 नवंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 03027 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) चार फेरों के लिए प्रति बुधवार को हावड़ा से 23:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 10:45 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में 10 अक्तूबर से 07 नवंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 03028 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) चार फेरों के लिए प्रति गुरुवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 12:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन हावड़ा 00:10 बजे पहुंचेगी।

अभयापुरी में ड्रग्स तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव में ड्रग्स की तस्करी के आरोप में पुलिस ने एक छात्र को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई हेरोइन की मात्रा लगभग 9.23 ग्राम है। आरोपी को पुलिस अभयापुरी पुलिस थाने ले गयी, जहां पर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक बीती रात बंगाईगांव जिले के अभयापुरी के केरखाबारी में पुलिस द्वारा चलाए गए एंटी-ड्रग्स अभियान में एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार करने के साथ ही एक बाइक (एएस-19एच-7047) सहित आठ संदिग्ध हेरोइन भरे प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटरों को जब्त किए गए। तस्कर की पहचान बरखोला निवासी अब्दुल मतिन के रूप में की गई है। अब्दुल मतिन का कहना है कि वह बंगाईगांव जिले के तुलुटिंगिया स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज का छात्र है।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच असम इकाई का मासिक ऑनलाइन कवि सम्मेलन संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक गोष्ठी दिनांक 21 सितंबर 2023 (शनिवार) को ऑनलाइन माध्यम गूगल मीट द्वारा आयोजित की गई। इस ऑनलाइन कवि सम्मेलन में देश भर के जाने-माने कविगणों ने हिस्सा लिया और अपनी कविता से वाहवाही लूटी। कवि सम्मेलन इस समय की भीषण गर्मी और ममतामयी मां पर केंद्रित रही। कई रचनाकारों ने पेड़ लगाने का उत्कृष्ट संदेश देते हुए कविता पाठ किया तो वहीं कइयों ने मां जैसे शब्द से छोटे शब्द किंतु अर्थ में धरती-आकाश से वृहद मायनों वाले विषय पर रचना प्रस्तुत कर सबको भाव-विभोर कर दिया। सभी अपने-अपने आंसू पोछते नजर आए। कवि सम्मेलन की शुरुआत हेमलता गोलछा की सरस्वती वंदना से हुई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का परिचय रखा गया इस दायित्व को पूरा किया क्रमश: कल्पना कश्यप और आभा कुमारी चौधरी ने।

इस कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे कर्नाटक वनकाम इकाई के अध्यक्ष सूबेदार रामस्वरूप कुशवाहा और विशिष्ट अतिथि थी नई दिल्ली की वरिष्ठ कवयित्री प्रवीणा द्विवेदी। कविता की शुरुआत सर्वप्रथम वरिष्ठ कवि आदरणीय किशोर जैन जी द्वारा हुआ इसके बाद एसएन सिंह जी, हेमलता गोलछा (उपसचिव, वनकाम असम), कल्पना कश्यप (सचिव, वनकाम असम), मनीषा पॉल, मुख्य अतिथि सूबेदार रामस्वरूप कुशवाहा, महाराष्ट्र इकाई की अध्यक्षा सुवर्णा यादव, शहर क्षमता विश्वनाथ चरियाली की अध्यक्षा सैयदा अनोवारा खातून, वनकाम असम के उपाध्यक्ष संतोष कुमार महतो, विशिष्ट अतिथि प्रवीण द्विवेदी, नागेश्वर गुप्ता और वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम का संचालन कर रहे वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच असम इकाई के उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने अपनी कविता प्रस्तुत की। धन्यवाद अर्पित करते हुए वनकाम असम इकाई की अध्यक्ष श्रीमती आभा कुमारी चौधरी ने इस कवि सम्मेलन में शामिल सभी कविगण का आभार व्यक्त किया। साथ ही वनकाम के राष्ट्रीय संस्थापक डॉ. नरेश नाज, मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के अलावा महाराष्ट्र इकाई की अध्यक्ष सुवर्णा यादव का भी विशेष आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

उम्मीद जगाती कश्मीर में लोकतंत्र की बयार

जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म होने के उपरांत एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं का उत्साह बताता है कि लोगों की लोकतंत्र में गहरी आस्था बरकरार है। पहले चरण में 24 सीटों के लिये हुए शांतिपूर्ण मतदान ने उम्मीद जगायी है कि शेष चरणों में भी यह उत्साह कायम रहेगा। हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की श्रृंखला ने शांतिपूर्ण मतदान को लेकर संशय पैदा कर दिया था। लेकिन चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन व नेताओं द्वारा जनता को जागरूक करने का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कुछ शिकवे-शिकायतों के बावजूद कश्मीर का जनमानस शांति व लोकतंत्र में विश्वास रखता है। बहुत सालों बाद कश्मीर में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें दिखाई दी। ऐसा ही उत्साह हालिया लोकसभा चुनाव में दिखा था जब पिछले साढ़े तीन दशकों के मतदान का रिकॉर्ड टूटा था। इस बार का साठ फीसदी मतदान इसी कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। निश्चित रूप से इन चुनावों को ऐतिहासिक कहा जा सकता है। साथ ही यह उन विदेशी ताकतों को करारा जवाब है जो कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण अपने निहित स्वार्थों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल, साबित हुआ कि देश के अन्य भागों की तरह ही कश्मीर के लोग भी शांति व सुशासन चाहते हैं। वे भी महंगाई व बेरोजगारी से निजात चाहते हैं। इस चुनाव में उन्होंने अलगाववादियों को दरकिनार करके मतदान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बावजूद अनुच्छेद 370 हटाने व राज्य का दर्जा खत्म किये जाने के मुद्दे से बहुत लोग सहमत नहीं थे। कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने को लेकर भी लोगों की राय में विभाजन देखा गया है। कतिपय राजनीतिक दलों के साथ ही कुछ लोगों ने अनुच्छेद 370 की वापसी व राज्यत्व बहाली के मुद्दे को तरजीह दी। बहरहाल, कुछ मुद्दों पर असंतोष के बावजूद लोगों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की है। विचारों में यह असहमति लोकतंत्र की खूबसूरती भी है। बहरहाल, राजनीतिक दल विशेष के एजेंडे के इतर हमें स्वीकार करना चाहिए कि भारत एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें विभिन्न धर्मों व संस्कृतियों के लोगों की हिस्सेदारी रही है। किसी राज्य का विशेष स्वरूप देश-काल व परिस्थितियों के अनुरूप भी तय किया जाता रहा है। वो समय की जरूरत रही है। शेष देश को किसी भी राज्य के धार्मिक, सांस्कृतिक व विशिष्ट स्वरूप का सम्मान करना चाहिए। बहुत संभव है किसी क्षेत्र विशेष की सोच का साम्य शेष देश के मिजाज व जरूरतों से भिन्न हो। लेकिन यही विविधता किसी लोकतंत्र की खूबसूरती है और उसका सम्मान किया भी जाना चाहिए। हमें नहीं भूलना चाहिए कि घाटी के लोगों की आकांक्षाओं की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लोकतंत्र में गहरी आस्था मजबूत हुई है। वहीं ध्यान रखना चाहिए कि भविष्य में बहुसंख्यक कश्मीरी समुदायों के हितों के साथ अल्पसंख्यक कश्मीरी ब्राह्मणों के हितों का संरक्षण भी किया जाए। जिन्हें कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा प्रमुख मुद्दा बनाये जाने के बाद भी न्याय नहीं मिला। उम्मीद करें कि विधानसभा चुनाव के बाद जब राज्य में चुनी हुई सरकार अस्तित्व में आए तो राज्य का दर्जा वापसी के बाद रोजगार व विकास के मुद्दों को प्राथमिकता मिले। इस संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में शांति देश के हित में है। जिसके लिये केंद्र से पर्याप्त सहयोग अपेक्षित है। निस्संदेह, राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हितों को दलीय हितों से ऊपर रखना चाहिए। चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें बताती हैं कि राज्य के लोग शांति व लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्ष में हैं। यह सुखद ही है कि ये चुनाव राज्य में चुनाव बहिष्कार की धमकियों व चेतावनियों से मुक्त शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं। मतदाताओं ने ऐसी किसी भी आवाज को तरजीह नहीं दी है। उम्मीद करें कि ये चुनाव आतंकवाद के खात्मे के लिये निर्णायक जनादेश लेकर आएं। ताकि राज्य कालांतर अलगाववादी सोच का खात्मा करने में सहायक साबित हो सके।

> पहले चरण में 24 सीटों के लिये हुए शांतिपूर्ण मतदान ने उम्मीद जगायी है कि शेष चरणों में भी यह उत्साह कायम रहेगा। हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की शृंखला ने शांतिपूर्ण मतदान को लेकर संशय पैदा कर दिया था। लेकिन चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन व नेताओं द्वारा जनता को जागरूक करने का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। निष्कर्षत : कहा जा सकता है कुछ शिकवे-शिकायतों के बावजूद कश्मीर का जनमानस शांति व लोकतंत्र में विश्वास रखता है। बहुत सालों बाद कश्मीर में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें दिखाई दी। ऐसा ही उत्साह हालिया लोकसभा चुनाव में दिखा था जब पिछले साढ़े तीन दशकों के मतदान का रिकॉर्ड टूटा था। इस बार का साठ फीसदी मतदान इसी कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। निश्चित रूप से इन चुनावों को ऐतिहासिक कहा जा सकता है।

प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता

तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

ललित गर्ग

> आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है।

लाखों करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने। प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला

ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकर्ताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते? यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निर्माताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुर्माना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए।

दृष्टि कोण

यौन हिंसा की सोच के खिलाफ चले मुहिम

एक महीने से अधिक हो चला जब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना हुई थी। इस किस्म के जघन्य कांड ने , वह भी एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के अंदर, कोलकाता शहर या यूं कहें कि संपूर्ण पश्चिम बंगाल को झकझोर कर रख दिया। कोई हैरानी नहीं कि युवा डॉक्टर, छात्र, आम महिला-पुरुष और सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग, इनके स्वतःस्फूर्त सामाजिक आंदोलन ने काफी 'लोकप्रिय' रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हिलाकर रख दिया है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और आरोपियों की राजनीतिक पहुंच की कहानियां, प्रशिक्षु डॉक्टरों की सुरक्षा और सम्मान को खतरे का मुद्दा उजागर हुआ। बात जब निष्पक्ष जांच की आई तो राज्य सरकार पर भरोसे की कमी देखी गई। मुख्यमंत्री के लिए इस 'वैधता संकट' से उबरना आसान नहीं होगा। हमने इस आंदोलन के सकारात्मक पहलुओं पर भी गौर किया है : प्रशिक्षु डॉक्टरों का अपनी समस्याओं के लिए लड़ने पर दृढ़ निश्चयी होकर डटे रहना और विरोध करने का उत्सव सरीखा स्वरूप, जिसमें आम नागरिक सड़कों पर उतर रहे थे, देर रात तक सार्वजनिक स्थानों पर जमे रहकर 'न्याय' के गीत गा रहे थे। इसके अलावा, इस जनांदोलन को मुख्यधारा के राजनीतिक दलों के सीधे प्रभाव से बचाने का प्रयास संभवतः दर्शाता है कि 'राजनीति' विशेषकर, जिस किस्म की पेशेवर राजनेता कर रहे हैं, इसने हमारे वक्त में अपने लिए एक बुरा अर्थ अर्जित कर लिया है। हालांकि, तथ्य यह भी है कि इस किस्म के आंदोलन ज्यादा लंबा खिंचते नहीं। सीबीआई अपने निष्कर्षों को उजागर करेगी, सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी, राज्य सरकार ने डॉक्टरों से समझौता किया, दोषियों को दंडित किया जाएगा, और कुछ -जिनमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं– अपराधी को मृत्युदंड देने का शोर मचाएंगे। फिर, सब कुछ पहले की भांति 'सामान्य' हो जाएगा! संभवतः, जो युवा डॉक्टर जो आज विरोध कर रहे थे, इनमें कुछ ऐसे होंगे जो 'सांसारिक' चीजों को अधिक प्राथमिकता देना शुरू कर देंगे, और आखिरकार किसी कॉर्पोरेट या निजी अस्पतालों का हिस्सा बनकर अपने अमीर ग्राहकों को एक वस्तु के रूप में 'अच्छा स्वास्थ्य' बेचते नज़र आयेंगे। और कोलकाता की गलियों में मुक्ति के गीत गाने वाला सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग भी अपने अनन्य कार्यक्षेत्रों में वापस रम जाएगा। इस बीच, हम बलात्कार की एक और कहानी के बारे में सुनेंगे... मत भूलें कि हमने अपने समाज में यौन हिंसा को लगभग रोजाना की सामान्य घटना बना डाला है। वार्षिक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2022 के बीच, भारत में कुल 1.89 लाख बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। लेकिन वर्गों में बंटे और जाति-केंद्रित समाज से पीड़िता की परवाह की आस कौन करे, विशेष तौर पर यदि वह महिला एक वंचित समाज से, कोई घरेलू सहायिका या फिर किसी गुमनाम गांव की स्कूली छात्रा हो। तब कोई सामाजिक आंदोलन नहीं होगा, न ही कोई कोलकाता या दिल्ली की गलियों में लैंगिक न्याय के गीत गाएगा। वास्तव में यदि हम इस सड़ांध का विरोध और यौन हिंसा के वायरस से यथोचित रूप से मुक्ति हेतु एक समझदार समाज की ओर बढ़ने की कोशिश करना चाहते हैं, तो हमें 'विषाक्त मर्दानगी' नामक विकृति का मुकाबला करने के लिए एक और आंदोलन में हिस्सा लेने की जरूरत होगी- मानसिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक। खैर, हमारे परिवारों में, लड़के इस मान्यता के साथ बड़े होते हैं कि उन्हें दबंग, सख्त और बहादुर होना चाहिए। हालांकि, 'विषाक्त मर्दानगी' का जीवन को पुष्टि देने वाले गुण जैसे कि साहस, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति से कोई लेना-देना नहीं है।

कुछ अलग

विस्फोटक पेजर

लेबनान व सीरिया में एक साथ हुए पेजर धमाकों ने इन देशों को ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंकाया। लोगों को समझने में देर लगी आजकल उन्नत मोबाइल फोनों के दौर में पेजर का इस्तेमाल? दरअसल, तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत इस्राइली फौज व दुनिया में तहलका मचाने वाली खुफिया एजेंसी मोसाद मोबाइल के जरिये अपने कट्टर दुश्मनों को निशाना बनाते रहे हैं। इसी वजह से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाके अपनी स्थिति गोपनीय रखने के मकसद से पेजरों का इस्तेमाल सूचना संकेतों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल पेजर धमाकों की शृंखला में लेबनान में नौ लोगों के मरने व पौने तीन हजार लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। लेकिन वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। वहीं सीरिया में पेजर धमाकों की शृंखला देखी गई। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में परिष्कृत नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा परत की कमजोरियों को भी उजागर करता है। निस्संदेह, हिजबुल्लाह ईरान समर्थित लेबनान की एक प्रमुख ताकत है, जो उन्नत इस्राइली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिये अपेक्षाकृत कम उन्नत तकनीक वाले उपकरण पेजर पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि हिजबुल्लाह लड़ाकों, चिकित्सकों तथा नागरिकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले पेजर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों व बेका घाटी सहित लेबनान के कई गढ़ों में एक साथ फट गए। अस्पताल की तरफ भागती सैकड़ों एंबुलेंसों से पूरे लेबनान में भय व असुरक्षा का माहौल बन गया। यहां तक कि सीरिया के कुछ हिस्सों में भी धमाकों की गूंज सुनायी दी, वहां भी हिजबुल्लाह के लड़ाके इससे प्रभावित हुए। बहरहाल, लेबनान व सीरिया में पेजर धमाकों की शृंखला पूरी दुनिया को कई सबक देती है कि संकटकाल में अपने संचार नेटवर्क को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिये बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। विज्ञान व तकनीकी उन्नति ने युद्धों का पूरा स्वरूप ही बदल दिया है। परंपरागत सेना व सुरक्षा की सारी अभेद्य दीवारें तकनीक के हमलों के आगे बेकार साबित हो रही हैं। बहरहाल, इन हमलों के लिये, इस्राइली खुफिया एजेंसी पर साजिश करने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, इस्राइल ने इन धमाकों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टें बता रही हैं कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान पेजर से छेड़छाड़ करके उन्हें धमाकों के मकसद से ज्वलनशील बनाया गया है। जो एक बड़े सुनियोजित ऑपरेशन की ओर संकेत करता है। जिसमें दूर से सुनियोजित तरीके से विस्फोटों को अंजाम दिया गया। इस्राइल ने इन धमाकों के जरिये हिजबुल्लाह को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भले ही वह गाजा संघर्ष में उलझा हुआ है, इसके बावजूद वह दूसरे मोर्चे पर हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। बहरहाल, यह घटना बताती है कि इस्राइल पर बीते साल हमास द्वारा किए गए हमले व अपहरण की वारदातों के बाद शुरू हुए टकराव का विस्तार होने की आशंका बलवती हुई है। इस्राइल इस समय न केवल हमास बल्कि हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों के हमलों का एकसाथ जवाब दे रहा है। लेकिन इस्राइल की सीमा से लगते लेबनान में ईरान द्वारा दी गई उन्नत मिसाइलों व राकेटों के लगातार हो रहे हमलों के बीच इस टकराव के विस्तार लेने की आशंका बढ़ गई है।

देश दुनीया से

टूटता यमुना को स्वच्छ बनाने का सपना

> दिल्ली-हरियाणा की जीवनदायिनी यमुना की स्थिति बेहद चिंताजनक है; वह ज़हरीली हो चुकी है। इसके पानी में लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे हानिकारक तत्व मौजूद हैं। रसायनों के कारण बजबजाते झाग को रोकने के लिए प्रभावित सीवेज ट्रीटमेंट की जरूरत है। फिर भी, इस चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल ने यमुना के उद्धार के लिए कोई चिंता नहीं जताई। उनकी प्राथमिकता केवल हरियाणा में सत्ता हासिल करना है। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी के संयोजक, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विधानसभा चुनावों से पहले यह कहते थे कि यमुना शुद्ध होने पर वह पहले स्नान करेंगे।

आज यमुना की स्थिति की किसी को चिंता नहीं है—न आम आदमी पार्टी, न भाजपा, और न ही कांग्रेस को। सभी दल हरियाणा चुनाव में सत्ता हासिल करने की दौड़ में लगे हैं, लेकिन यमुना के प्रदूषण पर कोई चर्चा नहीं कर रहा। दिल्ली-हरियाणा की जीवनदायिनी यमुना की स्थिति बेहद चिंताजनक है; वह ज़हरीली हो चुकी है। इसके पानी में लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे हानिकारक तत्व मौजूद हैं। रसायनों के कारण बजबजाते झाग को रोकने के लिए प्रभावित सीवेज ट्रीटमेंट की जरूरत है। फिर भी, इस चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल ने यमुना के उद्धार के लिए कोई चिंता नहीं जताई। उनकी प्राथमिकता केवल हरियाणा में सत्ता हासिल करना है। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी के संयोजक, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विधानसभा चुनावों से पहले यह कहते थे कि यमुना शुद्ध होने पर वह पहले स्नान करेंगे। लेकिन उनकी यह घोषणा अब तक केवल एक वादा ही साबित हुई है। पांच वर्षों के बाद भी यमुना की स्थिति पहले से अधिक खराब है, और यह अपने उद्धारक की प्रतीक्षा कर रही है। बीते दशकों का इतिहास बताता है कि यमुना हर साल अधिक प्रदूषित होती गई है, और अब इसका जल गंभीर जानलेवा बीमारियों का कारण बन चुका है। बारिश के मौसम को छोड़ दें, तो दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार, यमुना के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जल प्रवाह 23 घन मीटर प्रति सेकंड क्यूमैक्स कम है। यह जल प्रवाह न तो स्नान योग्य है और न ही नदी की पारिस्थितिकी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त। दीगर बात है कि जल संसाधन संबंधी एक संसदीय स्थायी समिति ने सिफारिश की थी कि दिल्ली में यमुना के 22 किलोमीटर लंबे हिस्से में 23 घन मीटर प्रति सेकंड का ई-फ्लो रखा जाए। हालांकि, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) का कहना है कि 23 क्यूमैक्स का ई-फ्लो जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) को 12 मिलीग्राम प्रति लीटर तक घटा देगा। बीओडी वह ऑक्सीजन है जिसे सूक्ष्मजीव कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने के लिए उपयोग करते हैं।यह जानना जरूरी है कि यमुना के दिल्ली में पड़ने वाले हिस्से के लिए लगभग 80 प्रतिशत प्रदूषण जिम्मेदार है। ई-फ्लो जल प्रवाह की वह न्यूनतम मात्रा है, जो नदी या जलाशय की पारिस्थितिकी को बनाए रखने और उसे स्नान योग्य बनाने के लिए आवश्यक है। हकीकत यह है कि आमतौर पर हरियाणा के यमुना नगर स्थित हथिनी कुंड बैराज से मात्र 10 क्यूमैक्स पानी छोड़ा जाता है। जबकि 23 क्यूमैक्स पानी यानी 43.7 करोड़ गैलन रोजाना अक्तूबर से जून के महीने के दौरान नदी में छोड़ा जाना चाहिए। यह सिफारिश राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की ने 2019 में ही कर दी थी। लोकसभा की स्थायी समिति द्वारा यमुना पर तैयार रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि यमुना के जल में भारी धातु के प्रदूषक तत्वों की भरमार है, जो जानलेवा बीमारियों का कारण बन रहे हैं। समिति ने न केवल यमुना में पाए जाने वाले बीओडी, सीओडी और फीकल कोलीफार्म जैसे प्रदूषक तत्वों की सूची तैयार की है, बल्कि लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक छह धातुओं से होने वाले नुकसान की जानकारी भी दी है। यह रिपोर्ट यमुना के संकट को उजागर करती है और उसके प्रदूषण की गंभीरता को रेखांकित करती है। समिति ने यमुना में झाग बनने से रोकने के लिए दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्रवाहित होने वाले समूचे सीवेज का प्रभावी ट्रीटमेंट करने की आवश्यकता बताई है। इसके अनुसार, झाग का मुख्य कारण बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज में सर्फेक्टेंट्स और फास्फेट की मौजूदगी है, जो त्वचा रोग और संक्रमण का खतरा बढ़ाते हैं। समिति ने सुझाव दिया है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) की तकनीक को उन्नत किया जाए, उनकी क्षमता बढ़ाई जाए, और सभी उद्योगों को साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों से जोड़ा जाए। इसके अतिरिक्त, जल संसाधन विभाग से यह भी कहा गया है कि ऐसे नियम और दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं, जिसमें यमुना सहित सभी नदियों में अपशिष्ट प्रवाहित करने पर दंडात्मक प्रावधान हों। समिति ने पर्यावरण मंत्रालय की आलोचना की है कि उसने 2018 में की गई सिफारिशों पर कार्रवाई में देरी की। जल संसाधन विभाग को यमुना के लिए स्वच्छ गंगा मिशन की तर्ज पर एक कोष स्थापित करने का सुझाव दिया गया है, ताकि सफाई के लिए फंड की कमी न हो। हालांकि, पिछले दो दशकों में करोड़ों रुपये यमुना की सफाई पर खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके अमोनिया और बीओडी स्तर में कमी नहीं आई है। यमुना पहले से 20 गुना अधिक प्रदूषित हो चुकी है। आज यमुना बदहाली में जीने को विवश है। इसका अहम कारण यमुना का वोट बैंक न होना है।

आप का नजरीया

निशाने पर बच्चे

हाल ही के दिनों में बच्चों व महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर देशव्यापी चिंता कई मंचों से उजागर हुई है। इन अपराधों के प्रति पुलिस व एजेंसियों की संवेदनहीनता पर अदालतें गाहे-बगाहे सख्त टिप्पणियां कर चुकी हैं। कुछ समय पहले जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भी महिलाओं व बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर गंभीर चिंता जतायी थी। साथ ही त्वरित न्याय से समाधान की बात कही थी। देश के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के वे आंकड़े विचलित करते हैं, जिसमें कहा गया था कि साल 2022 में भारत में हर घंटे में औसतन 18 बच्चे अपराधों के शिकार बने। वहीं पिछले एक दशक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 75 फीसदी वृद्धि की बात एनसीआरबी ने स्वीकारी है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में जहां अपराधों में कमी दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में नौ फीसदी की वृद्धि एनसीआरबी के आंकड़ों में दर्ज की गई। यह हमारे नीति-नियंताओं के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में बच्चों के खिलाफ अपराधों में क्यों लगातार वृद्धि हो रही है। विडंबना यह है कि एनसीआरबी केवल उन्हीं अपराध के आंकड़ों का उल्लेख करता है, जो थानों में दर्ज होते हैं। दरअसल, बच्चों के खिलाफ बड़ी संख्या में होने वाले अपराध अक्सर दर्ज ही नहीं होते। कानूनी जानकारी न होने और थानों व कचहरियों के चक्कर काटने से बचने के लिये अभिभावक कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज ही नहीं करवाते। कुछ मामलों को पुलिस दर्ज करने से बचती है। ऐसे में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना सहज नहीं होगा। बहरहाल, ये बढ़ते अपराध हमारे समाज में गहरी होती संवेदनहीनता और समाज में नैतिक मूल्यों के पराभव की ओर भी इशारा करती है। दरअसल, बच्चों के खिलाफ अपराध केवल हमारे सामाजिक व्यवस्था में ही नहीं बढ़े, बल्कि इसका दायरा वर्चुअल दुनिया में भी तेजी से बढ़ा है। बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 में बच्चों के विरुद्ध पहले साल के मुकाबले बत्तीस फीसदी अधिक साइबर अपराध दर्ज हुए। जो निरंतर गंभीर होती स्थिति को दर्शाते हैं। हाल के दिनों में स्कूल-कालेजों में ऑनलाइन पढ़ाई का दायरा बढ़ने और मोबाइल की सहज उपलब्धता से बच्चों की इस क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी है। सस्ते इंटरनेट व मोबाइल फोन ने बच्चों के लिये सोशल मीडिया व गेमिंग की दुनिया में पहुंच आसान बनायी है। लेकिन बच्चे इंटरनेट की आपराधिक दुनिया से अनभिज्ञ हैं। उन्हें इन खतरों से बचाव का प्रशिक्षण न तो स्कूल में दिया जाता है और न ही पुरानी पीढ़ी के अभिभावक दे पाए। जिसके चलते ही वे साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनते हैं। दरअसल, कोरोना महामारी तो चली गई, लेकिन इस संकट के चलते उपजी परिस्थितियों ने बच्चों के ऑनलाइन रहने का टाइम बढ़ा दिया है।

दक्षिणी विधायक नीलकंठ तिवारी ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

बोले—योगी सरकार हर परिस्थिति में आपके साथ, 103 परिवार को दी गई राहत सामग्री

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार, वाराणसी शहर दक्षिणी विधानसभा के कोनिया क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी जा रही है। इसी क्रम में रविवार को क्षेत्र के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने 103 परिवारों को राहत सामग्री बाँटी। इस अवसर पर विधायक नीलकंठ तिवारी ने कहा कि योगी सरकार पीड़ितों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी है। हर वर्ग के व्यक्ति को लाभ पहुँचाने के लिए योगी सरकार तत्पर है। बाढ़ पीड़ितों का दर्द सरकार समझती है। हर पीड़ित परिवार तक राहत सामग्री पहुँचेंगी। जो लोग सामग्री वितरण से वंचित रह गए, उनके लिए विधायक ने लेखपाल व कानूनगो को निर्देशित किया की नाम नोट कर, उनके घर तक राहत किट पहुंचाई जाए। इस दौरान विधायक ने पीड़ित परिवार के सदस्यों से उनका हाल-चाल जाना।

तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत बचाव कार्य में किसी भी प्रकार की कमी ना रहे। जिन परिवार के घर राहत सामग्री पहुँची है, उनके पास पीने के लिए साफ पानी भी पहुंचाना सुनिश्चित करें। प्रत्येक परिवार को किट में दाल, चावल, आटा, नमक, मसाला, तेल, आलू, बिस्किट, तौलिया, साबुन, सेनेटरी पैड, लाई, भुना चना, गुड़, मोमबत्ती, माचिस, तिरपाल आदि जरूरी सामग्री योगी सरकार ने भेजवायी है। इस कार्यक्रम में भाजपा महानगर मंत्री दिलीप साहनी, मण्डल अध्यक्ष नलिन नयन मिश्र, दीपक मौर्य, रोहित जायसवाल, लकी भारद्वाज, विजय सोनकर आदि ने भी भागीदारी की।

तत्परता से करें लोगों की समस्याओं का निस्तारण : योगी

-तीन दिनों में कुल 900 लोगों की समस्याएं सुनी सीएम योगी ने, समाधान के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। इन समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान तत्परता से करें। जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। लगातार तीन दिन हुए जनता दर्शन के आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री ने कुल मिलाकर 900 लोगों की समस्याएं सुनीं। रविवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाया गया था। योगी इन सभी लोगों तक खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। रविवार को उन्होंने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिया कि सबके साथ न्याय होगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण की हिदायत दी। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। मुख्यमंत्री योगी उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और न होने की जानकारी पर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को थमाते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान उन्होंने हर पात्र का आयुष्मान कार्ड बनवाने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सबका साथ, सबका विकास सरकार की प्राथमिकता : असीम अरुण

गाजियाबाद, (हि.स.)। बाबा साहब ने सामाजिक न्याय को संविधान के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाया है,जिससे समाज के सभी वर्गों को अवसर की समानता प्राप्त हो, डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। ये बातें गुरुवार को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्रीअसीम अरुण ने रविवार को अमृत काल में सहभागिता कार्यक्रम में कहीं। कार्यक्रम में वह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक करना और वित्तीय सहायता कैसे प्राप्त की जाए, इसकी जानकारी प्रदान करना है। उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को उद्यमिता से जोड़ते हुए रोजगारपरक बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है. इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले में अमृत काल में सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विकास की राह में कोई पीछे न छूटे - कार्यक्रम में मअसीम अरुण ने कहा कि डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। सरकार ने समाज के हर वर्ग को उद्यमिता से जोड़ते हुए रोजगारपरक बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं को शुरू किया है। ताकि समाज में आर्थिक विषमता न रहे। हम सब एक दूसरे की मदद कर आगे बढ़ने में योगदान दें। सरकार के समर्थन से रोजगार के लिए आर्थिक सहायता बैंकों द्वारा प्रदान की जा रही है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बीजेपी सरकार सभी क्षेत्रों में जा कर योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतीकरण करती है, जिससे सभी को पता चल जाता है कि उनके लिए कौन कौन सी योजनाएं चल रहीं हैं और उनका लाभ कैसे लेना है। जबकि पिछली सारकारों में योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहती थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंच रहा है। सांसद लोकसभा अतुल गर्ग ने कि युवाशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत के लिए गए संकल्प को सिद्ध करने में हम सबकी सहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि आप कुछ नया करना चाहते हैं तो बस आपका एक कदम बढ़ाने की देर है। यह आत्मविश्वास से भारत युवा शक्ति से भरपूर भारत है जो कभी रुकता नहीं ,जो कभी थकता नहीं।

-रोजगारपरक योजनाओं की दी जानकारी - समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी जिले के युवाओं को प्रदान की इस मौके पर सिडबी, बैंक, जिला उद्योग केंद्र, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य विभाग के अधिकारियों ने नागरिकों को रोजगार व उद्यमिता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में ऐसे सफल उद्यमियों ने भी हिस्सा लिया जिन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर खुद को स्वावलंबी बनाते हुए दूसरों को भी रोजगार प्रदान किया है। इस मौके पर नागरिकों को उनके पसंद के रोजगार कार्यक्रम में पंजीकरण कर उद्यम संचालित करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने की जानकारी बैंकों द्वारा प्रदान की गई।

कानपुर में एक बार फिर ट्रेन पलटाने की साजिश, ट्रैक पर रखा सिलेंडर

कानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक बार फिर ट्रेन पलटाने की साजिश नाकाम हो गयी है। जिले के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास लूप लाइन पर रविवार को एक गैस सिलेंडर रखा मिला। यह देखकर लोको पायलट और सहायक लोको पायलटों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया जिससे हादसा टल गया। इसके बाद रेलवे ट्रैक पर रखे गए सिलेंडर को हटवाया गया।

सूचना पर सक्रिय हुई रेलवे सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल जांच शुरू कर दी। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि आज (22 सितंबर) जेटीटीएन गुड्स ट्रेन कानपुर से प्रयागराज को जा रही थी। प्रेमपुर स्टेशन के पास लूपलाइन पर लोको पायलट देव आनंद गुप्ता और सहायक लोको पायलट सीबी सिंह ने सिग्नल से कुछ दूर पहले एक सिलेंडर रखा हुआ देखा। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को रोक लिया। इसके बाद उन्होंने सभी संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही रेलवे आईओडब्ल्यू, सुरक्षाबल सहित अन्य टीमों ने सिलेंडर की जांच की और उसे ट्रैक से हटाया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह एक पांच लीटर का खाली सिलेंडर है, जो ट्रैक पर सिग्नल के थोड़ा पहले रखा हुआ था। जीआरपी एवं आरपीएफ ने इस पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले कानपुर-कासगंज के बीच रेल ट्रैक पर एक गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की साजिश हुई थी। दोनों ही मामलों में जांच चल रही है।विगत करीब 40 दिनों में इस तरह की यह तीसरी घटना है।

सामाजिक समरसता यात्रा निकालेगी विश्व हिन्दू परिषद

-दलित युवाओं को हुनरमंद बनायेगी विहिप

अयोध्या, (हि.स.)। छुआछूत शास्त्र आधारित नहीं है। हम सब हिन्दू आपस में भाई-भाई हैं। समरस समाज समर्थ भारत ऐसा संदेश लेकर जनवरी माह में विश्व हिन्दू परिषद सामाजिक समरसता अभियान की ओर से सामाजिक समरसता यात्रा निकाली जायेगी। इस दौरान सेवा बस्तियों में समरसता संगोष्ठी,समरसता महायज्ञ व संतों की पदयात्राएं होंगी। यह जानकारी विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री व सामाजिक समरसता अभियान के अखिल भारतीय प्रमुख देवजी भाई रावत ने दी। देवजी भाई रावत ने बताया कि समरसता यात्रा के दौरान अस्पृश्यता मुक्त भारत व समरसता युक्त भारत बनाने के लिए गांवों में आम जनता से संकल्प कराया जायेगा। प्रत्येक जिले में बेरोजगार युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए ट्रेनिंग सेन्टर प्रारम्भ कर दलित युवाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जायेगा। आने वाले समय में अनुसूचित जाति व जनजाति छात्रावासों में पढ़ने वाले बच्चों से सम्पर्क व सहयोग की योजना बनाई गयी है। इसके अलावा प्रत्येक जिले में विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता सेवा बस्ती के एक-एक परिवार को गोद लेकर हिन्दू परिवार मित्र बनायेंगे। सामाजिक समरसता अभियान के सह प्रान्त प्रमुख धर्मेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि अवध प्रान्त में 01 जनवरी से 07 जनवरी तक समरसता यात्री निकाली जायेगी।

धर्मेन्द्र ने बताया कि सामाजिक विषमता व छुआछूत के कलंक को मिटाने के लिए अवध प्रान्त के सभी जिलों में 10-12 विविध स्तर पर विविध समाज के लोगों की समरसता टोली का गठन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभ्यास वर्ग में अवध प्रान्त के 25 जिलों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आगामी वाल्मीकि जयंती, राम खिचड़ी सहभोज व समरसता यात्रा के माध्यम से समाज में जन जागरण करने की योजना बनाई गयी। दो दिवसीयअभ्यास वर्ग को विश्व हिन्दू परिषद के उपाध्यक्ष चंपत राय,श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल जी, संत निराला दास महाराज, समरसता अभियान अवध व गोरक्ष के प्रमुख मुकेश ने संबोधित किया। इस मौके पर प्रान्त प्रमुख गोविन्द शाह,प्रान्त सह प्रमुख राज कुमार सोनी,भगवती सिंह,अमरेन्द्र व पारसनाथ प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पलामू से होकर गुजरी वंदे भारत एक्सप्रेस, सांसद ने डालटनगंज में दिखाई हरी झंडी

पलामू, (हि.स.)। वंदे भारत एक्सप्रेस (21893/21894) पलामू जिले से भी होकर गुजरी। यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन टाटानगर से आएगी एवं पटना तक जाएगी। इसी तरह पटना से आकर टाटानगर को जाएगी। पलामू जिले में डालटनगंज एवं गढवा रोड रेलवे स्टेशन पर इसका ठहराव निर्धारित किया गया है। पहले दिन ट्रेन के आने के बाद यहां से खुलने पर डालटनगंज में पलामू सांसद वीडी राम जबकि गढवा रोड रेलवे स्टेशन पर पूर्व मंत्री एवं विश्रामपुर के विधायक रामचन्द्र चन्द्रवंशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के लिए सांसद एवं अन्य भाजपा नेता कार्यकर्ता गाजे-बाजे के साथ डालटनगंज व गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। मौके पर सांसद वीडी राम ने वंदे भारत एक्सप्रेस को डालटनगंज व गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन से चलाने के निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया। साथ ही कहा कि इसी तरह से अन्य बड़ी ट्रेनें इस रूट से होकर चलेंगी। इसकी शुरूआत आज से हो गयी है। मेदिनीनगर की प्रथम मेयर अरुणा शंकर ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस के चलने से पलामू की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हो गयी। सपना साकार हो गया। उन्होंने कहा कि आज समय की बचत के लिए लोग हवाई सफर पर ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रेनों की स्पीड बढ़ाकर सेवा देने से समय की बचत होगी एवं लोगों का झुकाव भी ट्रेनों की ओर होगा। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस 160 की स्पीड से चलेगी, जिससे कम समय से जल्द पहुंचा जा सकेगा।

क्या है किराया - डालटनगंज से पटना के लिए 408 चेयर कार सीट और एग्जीक्यूटिव क्लास की 37 सीटें बुक की जा सकेंगी। यात्रियों को डालटनगंज से पटना 309 किमी के सफर का किराया चेयर कार का 1110 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का 1915 रुपये देना होगा। डालटनगंज से गढ़वा रोड 34 किलोमीटर का किराया चेयर कार का 485 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का 845 रुपये निर्धारित है। सोननगर का भाड़ा चेयर कार में 825 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास में 1330 रुपये देना होगा। गया जाने के लिए चेयर कार का 965 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का 1615 रुपये का टिकट लेना होगा। डालटनगंज से टाटानगर स्टेशन का चेयर कार का 960 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1825 रुपये तय किया गया है। चांडिल स्टेशन के लिए चेयर कार का 920 रुपये और एग्जीक्यूटिव का क्लास 1730 रुपये भाड़ा है। डालटनगंज से मुरी का भाड़ा चेयर कार 805 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास 1495 निर्धारित है। बरकाकाना जाने के लिए चेयर कार में 705 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 1300 रुपये खर्च करना होगा।

यह है वंदे भारत का समय - टाटानगर-पटना वंदे भारत रविवार की सुबह 5.30 बजे टाटानगर से खुलकर चांडिल 6.10, मुरी 7.13, बरकाकाना में 8.30, डालटनगंज 10.42, गढ़वा रोड 11.50, सोननगर 13.10, गया 14.30 और पटना स्टेशन 15.55 बजे पहुंचेगी। सोमवार को 21984 पटना टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस 13.20 में पटना से खुलेगी। गया में 14.40, सोननगर में 15.55, गढ़वा रोड में 17.35, डालटनगंज 18.03, बरकाकाना 20.50, मुरी 21.50, चांडिल 22.53 और 23 .55 टाटानगर पंहुचेगी।

हटिया रेलवे स्टेशन पर 43 बोतल शराब जब्त

रांची, (हि.स.)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया स्टेशन से 43 बोतल शराब जब्त किया है। उप निरीक्षक दीपक कुमार ने रविवार को बताया कि रांची आरपीएफ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर ट्रेनों तथा रेलवे स्टेशनों मे शराब तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान ऑपरेशन सतर्क के तहत जारी है। इसी क्रम में आरपीएफ रांची के सहायक सुरक्षा आयुक्त एके सिंह के पर्यवेक्षण में गाड़ी संख्या 18624 के हटिया स्टेशन आगमन पर चेक करने पर जनरल डिब्बे के टॉयलेट में तीन झोली रखा देखा। चेक करने पर उसके अंदर 43 शराब की बोतलें पाई गई।

इसकी अनुमानित कीमत 39 हजार रुपये आंकी गई। उसका कोई मालिक न मिलने पर उन बोतलों को जब्त कर आबकारी विभाग को सौंप दिया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान अवश्य होगा : के राजू

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा, अल्पसंख्यक विभाग एवं एलडीएम कोऑर्डिनेटर की बैठक कांग्रेस भवन में रविवार को हुई। इसमें विभागों के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर के राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल नेता डॉ. रामेश्वर उरांव, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमुचू विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर के राजू ने कहा कि संगठन के कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान अवश्य होगा। वर्तमान सरकार में कुछ कार्य अधूरे पड़े हैं जिसे पूरा करने की पहल की जाएगी। अनुसूचित जाति आयोग,वक्फ बोर्ड का गठन जैसे कई मुद्दे हैं जो सरकार और संगठन के बीच आवश्यकता अनुसार तालमेल बैठाकर पूरा किया जाएगा। अभी हमारे सामने विधानसभा चुनाव के रूप में एक लड़ाई है जिसे हमें जीतना है। विरोधी झूठ के हथियारों से वार कर रहे हैं जिससे बचकर जनता के बीच सच रखना है। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन के हर कार्यकर्ता का दर्द समझता हूं और उचित समय आने पर सभी को उनका प्रतिनिधित्व अवश्य मिलेगा। भाजपा घुसपैठ की बात करके चुनाव के समय लोगों को लड़ा कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकना चाहती है लेकिन जनता ऐसे मुद्दों को तवज्जो नहीं दे रही है।

आम लोगों द्वारा भाजपा के मुद्दों से दूरी बनाने के कारण इनमें बौखलाहट है। पूरी केंद्रीय सरकार और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्रियों की कैबिनेट झारखंड में उतर चुकी है। संगठन के कार्यकताओं को समझना होगा कि चुनाव की अहमियत क्या है। आपसी मतभेदों को परे रखकर चुनावी तैयारी में लगना होगा। कांग्रेस उम्मीदवार सहित गठबंधन को उम्मीदवारों के लिए मजबूती से काम करना है ताकि महागठबंधन सरकार की वापसी अधिक सीटों के साथ हो सके। इस दौरान विधायक दल नेता ने कहा कि 5 वर्षों में सरकार ने कई जनकल्याणकारी कार्य किए हैं। सभी कार्य और योजनाएं जनता के निजी आर्थिक विकास से सीधे जुड़े हैं। विरोधियों के मुद्दों पर ध्यान नहीं देना है बल्कि जनता के बीच सरकार द्वारा किए गए कार्यों को लेकर जाना है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमुचू ने कहा कि कार्यकर्ताओं में उत्साह है, हमें इस उत्साह को बरकरार रखना है। चुनावी जंग को जीतने के लिए निजी हितों को परे रखकर काम करना होगा।

कृषक कर्मशाला में कृषि छात्राओं ने प्रस्तुत किया भौगौलिक अनुसंधान रिपोर्ट

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। पीपराकोठी केवीके के रवे कार्यक्रम के समापन पर उघान विभाग के सौजन्य से जिलास्तरीय दो दिवसीय कृषक कर्मशाला का आयोजन किया गया। जिसमे एग्रीकल्चर कॉलेज के छात्राओं ने विभिन्न गांवो सें संग्रह किये गये भौगोलिक घटकों व दशाओं अनुसंधानात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है, कि रवे कार्यक्रम के तहत करीब एक माह तक छात्राओ ने विभिन्न गांवो का भौगौलिक अनुसंधान व अन्वेषण किया था। कार्यक्रम में के दौरान छात्राओं ने गांव के नक्शे का रंगोली तैयार किया। जिसे किसानों ने काफी पसंद किया। कार्यक्रम का आयोजन समृद्ध किसान राजेश कुमार के आधुनिक तकनीक से पपीता, लेमनग्रास व उद्यानिक उन्नत प्रभेदों की खेती के आलोक में किया गया। कार्यक्रम में किसानों को कीट प्रबंधन के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम का संचालन केवीके के मनीष कुमार ने किया। इस मौके पर किसान- कृषि वैज्ञानिक संवाद भी हुआ। जिसमें किसानों को खेती की आधुनिक तकनीक की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित केवीके प्रमुख डॉ अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि किसानों की आय बढ़ाने का सबसे प्रभावी जरिया फलों व सब्जियों की संरक्षित खेती है। संरक्षित खेती लंबे समय तक फायदा देती है। वही जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी विकास कुमार ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। वैज्ञानिक डॉ चानू, डॉ आरबी शर्मा, अर्णव कुमार ने किसानों को तकनीकपूर्ण खेती के बारे में बताया।

आगजनी के शिकार कृष्ण नगर के 34 महादलित परिवारों को डीपीओ ने दिलाया

नवादा (हि.स.)। गोलीबारी कर घरों को जलाए जाने जैसे आगजनी के शिकार 34 महादलित परिवारों के बीच रविवार को टेक- होम राशन की व्यवस्था के तहत सुखा राशन का वितरण कराया। बाल विकास परियोजना के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी निरुपमा शंकर ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर घर जलने से बेघर हुए 34 परिवारों के बीच रविवार को टेक होम- राशन के तहत सूखा राशन का वितरण कराया गया। ताकि उन्हें भोजन की समस्या उत्पन्न न हो पाए। उन्होंने कहा कि इस विकट परिस्थिति में महादलित परिवारों के बीच भोजन की समस्या बनी हुई थी। इसके तहत राशन का वितरण कराया गया है । कुपोषित बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को ध्यान में रखकर राशन का वितरण किया गया है। याद रहे कि 34 महादलित परिवारों का घर जला दिया गया था। इस कारण अनाज के साथ उनके पहनने के कपड़े तक जल गए थे। जिला प्रशासन की ओर से सभी घर जले महादलित के परिवारों को 1 लाख 5 हजार का मुआवजा भी दिया गया था। भोजन की कमी ना हो जिसके लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी निरुपमा शंकर के सौजन्य से विभागीय स्तर पर सुखा राशन का वितरण कराया गया है। इस अवसर पर नवादा के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी शशि कुमारी भी उपस्थित थी। जिन्होंने राशन वितरण में सहयोग कराया।

सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान

भागलपुर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा भागलपुर के द्वारा सदर अस्पताल एवं जिला स्कूल में स्वच्छता अभियान चलाया गया। उक्त दोनों स्थल पर साफ सफाई करने के बाद अभियान को भाजपा कार्यकताओं ने घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। सभी सदस्यों ने बड़ी तत्परता और उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह पहल देश भर में क्रांति का रूप ले चुकी है और हमें इसे हर घर तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष अमरदीप साह ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए हमें संस्कार स्वच्छता और स्वभाव स्वच्छता के सिद्धांत पर अमल करना होगा अपने व्यवहार में स्वच्छता के साथ ही अपने आसपास भी स्वच्छता रखनी चाहिए। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष रोहित पांडेय, पूर्व प्रत्याशी अर्जित चौबे, रोशन सिंह, योगेश पांडेय, स्वेता सिंह, निरंजन सिंह, प्रतिक आनंद, जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी, चंदन ठाकुर, डॉ संजय कुमार, डॉ ओमनाथ भारती, भोला मंडल, प्रणव दास, श्वेता सिंह, नीतू चौबे, अमन कुमार आदि कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कमजोरी के साथ बंद, सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।
बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में ऊंचे भाव पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं बाजार में विशेषकर नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) की कम आपूर्ति की स्थिति के बीच सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। जबकि डीओसी की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम भी सप्ताहांत में गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 250 रुपये बढ़कर 14,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,175-2,275 रुपये और 2,175-2,290 रुपये टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 70-70 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,830-4,880 रुपये प्रति क्विंटल और 4,605-4,740 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके विपरीत सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,000 रुपये, 700 रुपये और 650 रुपये बढ़कर क्रमशः 12,850 रुपये, 12,450 रुपये और 9,250 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 125 रुपये की गिरावट के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाईंड तेल का भाव 40 रुपये की गिरावट के साथ 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पामोलीन दिल्ली का भाव 1,000 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,050 रुपये के सुधार के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम स्टॉक के बीच मांग निकलने से समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

स्पाइसजेट ने क्यूआईपी को शेयर बेचकर जुटाए 3000 करोड़, नया फंड एयरलाइन को बकाया चुकाने में मदद करेगा

नई दिल्ली । स्पाइसजेट ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) को शेयर बेचकर 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे कर्ज संकट से जूझ रही एयरलाइन को मदद मिली है। सोसाइटी जनरल-ओडीआई, गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई-ओडीआई, नोमुरा सिंगापुर लिमिटेड ओडीआई और डिस्कवरी ग्लोबल ऑपर्चुनिटी (मॉरीशस) लिमिटेड विदेशी संस्थाएं उन निवेशकों में शामिल हैं। इन्हें एयरलाइन के योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के तहत शेयर आवंटित किए गए हैं। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार एयरलाइन की फंड जुटाने वाली समिति ने 20 सितंबर को 80 से अधिक क्यूआईपी प्रतिभागियों को 61.60 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 48.70 करोड़ से अधिक शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी। कुल मिलाकर 3,000 करोड़ रुपये की सिक्योरिटीज जारी की गई हैं। शनिवार को बीएसई को दी गई फाइलिंग में कहा गया है कि इश्यू में इक्विटी शेयरों के आवंटन के बाद कंपनी की पेडअप इक्विटी शेयर कैपिटल 7,94,67,27,170 रुपये से बढ़कर 12,81,68,57,030 रुपये हो गई है, जिसमें 1,28,16,85,703 इक्विटी शेयर शामिल हैं। 19 वर्षों से उड़ान भर रही स्पाइसजेट कई चुनौतियों का सामना कर रही है और नया फंड जुटाने से एयरलाइन को विभिन्न बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। इस पैसे का उपयोग विमान और इंजन लीज पर देने वालों, इंजीनियरिंग वेंडर्स और फाइनेंसर्स सहित लेनदारों की देनदारियों के निपटान के लिए किया जाएगा। पांच आवंटियों को क्यूआईपी में पेश किए गए शेयरों में से प्रत्येक को पांच प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ है। इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। इश्यू के बाद शेयरहोल्डिंग पैटर्न में आए बदलाव के बारे में बीएसई को कुछ समय बताया जाएगा। इस फंडिंग से स्पाइसजेट को निकट भविष्य में मदद मिलेगी ।

अडानी पोर्ट्स का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली । ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयरों पर बुलिश दिखाई दे रही है। शुक्रवार को ये शेयर 2.16 फीसदी की तेजी के साथ 1438 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। शेयरों में आई तेजी की वजह से कंपनी का मार्केट कैप अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अडानी पोर्ट्स एंड इकोनॉमिक जोन का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। आपको बता दें कि ये स्टॉक अभी भी अपने 52 वीक के हाई से करीब 200 रुपये पीछे है। शेयर का 52 हफ्तों का हाई 1607 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कंपनी के शेयरों पर भरोसा जताया है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। मोतीलाल ओसवाल ने इसे 1850 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है जो इसके 52 हफ्तों के हाई से कहीं ज्यादा है और अभी की कीमत से करीब 29 फीसदी अधिक है। यानी अभी के स्तर पर अगर निवेश किया जाए और मोतीलाल ओसवाल की भविष्यवाणी अगर सही हो तो हर स्टॉक पर आपको 400 रुपये से ज्यादा का फायदा हो सकता है।

सरकारी कर्मचारियों को अब दो साल और मिलेगा एलटीसी का लाभ, अब 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे जम्मू कश्मीर, अंडमान निकोबार और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) के तहत जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा की अनुमति देने वाली योजना को दो साल तक बढ़ा दिया है। अब सरकारी कर्मचारी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे। पहले यह योजना 25 सितंबर 2024 को समाप्त हो रही थी। पात्र केंद्र सरकार के कर्मचारियों को एलटीसी का लाभ उठाने पर पेड लीव के अलावा आने-जाने की यात्रा के टिकटों की प्रतिपूर्ति भी मिलती है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया है कि सभी पात्र कर्मचारी चार साल की ब्लॉक अवधि में अपने एक होम टाउन एलटीसी में बदलाव के बदले जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र में किसी भी स्थान पर जाने के लिए एलटीसी के हकदार हैं, जो एम्पलॉई एयर ट्रैवल के हकदार नहीं हैं।

वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

रुपये की चाल और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी

नई दिल्ली ।
इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती का उभरते बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और भारत वैश्विक निवेशकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने आक्रामक लिवाली की। अकेले शुक्रवार को ही एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेतक नहीं है। हालांकि, अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। एफआईआई प्रवाह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा, साथ ही घरेलू संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की निगाह रहेगी। हालांकि, बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रभावित नहीं दिख रहा है, लेकिन यह आगे बाजार के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। डेरिवेटिव निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार के एक अन्य विश्लेषक कहते हैं कि बाजार धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि मजबूत एफआईआई प्रवाह, स्वस्थ घरेलू वृहद कारक और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में घटती चिंता के कारण इस सप्ताह भी इसकी सकारात्मक रफ्तार जारी रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी। उन्होंने कहा हालांकि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की प्रमुख घटना पीछे रह गई है, लेकिन आगे भी बाजार की दिशा के लिए सभी का ध्यान अमेरिका पर रहेगा। इसके अलावा विदेशी कोषों के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.97 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 63,359.79 करोड़ रुपये बढ़कर 9,44,226.88 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 58,569.52 करोड़ रुपये बढ़कर 13,28,605.29 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 44,319.91 करोड़ रुपये बढ़कर 9,74,810.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 19,384.07 करोड़ रुपये बढ़कर 20,11,544.68 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 10,725.88 करोड़ रुपये बढ़कर 7,00,084.21 करोड़ रुपये और आईटीसी का 1,375.6 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,43,907.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 85,730.59 करोड़ रुपये घटकर 15,50,459.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 15,861.16 करोड़ रुपये घटकर 7,91,438.39 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 14,832.12 करोड़ रुपये घटकर 6,39,172.64 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 7,719.79 करोड़ रुपये घटकर 6,97,815.41 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

अगर लेनदेन शुल्क लगा तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता यूपीआई बंद कर देंगे: सर्वे

नई दिल्ली ।
यूपीआई सेवा पर यदि लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसका उपयोग करना बंद कर देंगे। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वेक्षण के अनुसार 38 प्रतिशत उपयोगकर्ता अपना 50 प्रतिशत भुगतान लेनदेन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या किसी अन्य प्रकार के डिजिटल माध्यम के बजाय यूपीआई के जरिये करते हैं।

सर्वे कहता है कि सिर्फ 22 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान पर लेनदेन शुल्क का बोझ उठाने को तैयार हैं। वहीं 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो वे यूपीआई का उपयोग करना बंद कर देंगे। यह सर्वे तीन व्यापक क्षेत्रों पर किया गया है। इसमें 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली हैं। हालांकि प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न पर उत्तरों की संख्या अलग-अलग थी। यूपीआई पर लेनदेन शुल्क से संबंधित प्रश्न को लेकर 15,598 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लेन-देन की मात्रा में रिकॉर्ड 57 प्रतिशत और मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पहली बार किसी वित्त वर्ष में यूपीआई लेन-देन 100 अरब को पार कर गया है। यह 2023-24 में 131 अरब रहा, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के लिहाज से यह 1,39,100 अरब रुपये से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपये पर पहुंच गया है। सर्वे के अनुसार 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मूल्य के लिहाज से अपने कुल भुगतान के 50 प्रतिशत से अधिक के लिए यूपीआई लेन-देन खातों को साझा किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई तेजी से 10 में से चार उपभोक्ताओं के भुगतान का अभिन्न अंग बन रहा है।

सर्वे में 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली

इसलिए किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लेनदेन शुल्क लगाए जाने का कड़ा विरोध हो रहा है। लोकल सर्किल्स इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों को वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ आगे बढ़ाएगा, ताकि किसी भी एमडीआर शुल्क की अनुमति देने से पहले यूपीआई उपयोगकर्ता की नब्ज को ध्यान में रखा जा सके। यह सर्वे 15 जुलाई से 20 सितंबर के बीच ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ किया सौदा

नई दिल्ली ।
कर्ज संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 4जी और 5जी नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग को 30,000 करोड़ रुपये का अनुबंध दिया है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह अनुबंध तीन साल के लिए है। कंपनी ने इससे पहले तीन साल में 6.6 अरब डॉलर या 55,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की घोषणा की थी। यह सौदा इस दिशा में पहला कदम है। कंपनी ने कहा कि वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ तीन साल की अवधि में नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए करीब 3.6 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपये) का एक बड़ा सौदा किया है। बयान में कहा गया है कि इस पूंजीगत व्यय कार्यक्रम का लक्ष्य 4जी आबादी के दायरे को 1.03 अरब से बढ़ाकर 1.2 अरब करना, प्रमुख बाजारों में 5जी सेवा शुरू करना और डेटा की वृद्धि के अनुरूप क्षमता का विस्तार करना है। इन नए दीर्घकालिक ठेकों के तहत आपूर्ति आगामी तिमाही में शुरू होगी। बयान में कहा गया है कि 1.2 अरब भारतीयों तक 4जी सेवा (कवरेज) का विस्तार कंपनी की शीर्ष प्राथमिकता है।

जुलाई में देश का कोयला आयात बढ़कर 2.52 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली ।
इसी साल जुलाई में देश का कोयला आयात 40.56 प्रतिशत बढ़कर 2.52 करोड़ टन रहा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में कोयला आयात 1.79 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। चालू वित्त वर्ष के पहले अप्रैल-जुलाई में कोयला आयात बढ़कर 10.04 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.91 करोड़ टन था। एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले महीने त्योहारी सीजन से पहले आने वाले हफ्तों में आयात मांग में तेजी आने की संभावना है। समुद्री मार्ग से ढुलाई दरों में नरमी के बीच गैर-कोकिंग कोयले के आयात में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि, इस्पात मिलों की कमजोर मांग के कारण कोकिंग कोयले की मात्रा में कमी आई है। जुलाई में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.65 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 1.01 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 48.1 लाख टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष जुलाई में यह 50.3 लाख टन था।

अप्रैल-जुलाई की अवधि के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात एक साल पहले के 5.66 करोड़ टन की तुलना में बढ़कर 6.56 करोड़ टन पर पहुंच गया। वहीं कोकिंग कोयले के आयात में 2.02 करोड़ टन के मुकाबले मामूली बढ़त देखने को मिली। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने पूर्व में कहा था कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और कोयले का आयात कम करना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन रहा था।

सर्राफा बाजार में तेजी से सोना-चांदी के बढ़े भाव, 76 हजार के पार पहुंचा सोना

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 76 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर या इसके आस पास कारोबार कर रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,080 रुपये से लेकर 75,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 69,750 रुपये से लेकर 69,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 75,930 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,080 रुपये प्रति 10 ग्राम

इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,980 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 75,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 69,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय में हराकर लगातार 14वां मैच जीता, श्रीलंका की 13 जीत का रिकार्ड भी तोड़ा

लीड्स।
ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले एकदिवसीय मैच में भी 68 रनों से जीत हासिल की थी। इस प्रकार एकदिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया ने अपना लगातार 14 वां मैच जीता है। इसी के साथ ही कंगारुओं ने श्रीलंकाई टीम के लगातार 13 मैच जीतने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 271 रनों का लक्ष्य दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक 74 रन एलेक्स कैरी ने बनाए, जबकि कप्तान मिचेल मार्श ने 60 रन बनाये। वहीं मैथ्यू शॉर्ट और ट्रेविस हेड ने 29-29 रन बनाये। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम 44.4 ओवरों में ही 270 रनों पर सिमट गयी। वहीं इंग्लैंड के ब्रायडन कार्स ने 3 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। इसके बाद इंग्लैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 202 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा 49 रन विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने बनाए, जबकि ब्रायडन कार्स ने 26 व आदिल राशिद ने 27 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने 32 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 3 जबकि जोश हेजलवुड, आरोन हार्डी और ग्लेन मैक्सवेल ने 2-2 विकेट लिए। एडम जंपा ने भी एक विकेट लिया।

इंग्लैंड के स्पिनर आदिल ने बनाया रिकार्ड

लीड्स। स्पिनर आदिल राशिद एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले स्पिनर बन गये हैं। आदिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीड्स में दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान 42 रन देकर 2 विकेट लिए। इस प्रकार आदिल ने अपने 137 एकदिवसीय मैच में 32.22 की औसत से 201 विकेट लिए हैं। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट लेना रहा है। उन्होंने इस प्रारूप में 8 बार 4 विकेट और 2 बार 5 विकेट लिए हैं। राशिद एकदिवसीय में इंग्लैंड की ओर से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, पहले दोनो ही स्थानों पर तेज गेंदबाज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 269 विकेट और डैरेन गॉफ 234 विकेट हैं। एंडरसन ने 194 मैचों में अपने 269 विकेट लिए। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। वहीं गॉफ ने 158 मैचों में अपने 234 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 44 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

विराट कोहली का डांस वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में रन बनाने में असफल रहे पर उन्होंने प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया। विराट का पहले टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें वह नागिन डांस वाले मूव करते हुए नजर आए। उनका यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रही है। वहीं इससे पहले उनका एक वीडिया आया था। इसमें वह शाकिब अल हसन के आउट होने के बाद नाच रहे थे। विराट को जो दूसरा वीडिया आया है। इसमें वह फील्डिंग के दौरान बीच मैदान में किसी को नागिन मूव दिखाते नजर आये हैं। कोहली पहले टेस्ट में पहली पारी में 6 रन पर जबकि दूसरी पारी में 17 रन ही बना पाये थे। दूसरी पारी में विराट को जिस प्रकार गलत तरीके से आउट दिया गया उसपर सवाल भी उठे हैं। उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दिया गया था। विराट के पास रिव्यू लेने का अवसर था पर वह नहीं ले पाये। इस दौरान रीप्ले में दिखा कि गेंद उनके बल्ले से लगकर फिर पैड पर लगी। कोहली ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इसके बाद से ही वह टेस्ट प्रारुप से दूर थे। ऐसे में प्रशंसकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर उसमें वह विफल रहे।

ऋषभ पंत को टीम में बरकरार रखेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान बने रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन ऋषभ को रिटने करेगा। इससे पहले अटकलें लगायी जा रही थीं कि कैपिटल्स इस साल के अंत में होने वाली मेगा नीलामी से पहले अपने कप्तान को रिलीज कर सकती है। वहीं अब कहा जा रहा है कि ऋषभ ही प्रबंधकों की पहली पसंद बने हुए हैं। ऐसे में इस क्रिकेटर और टीम प्रबंधन के बीच रिटेंशन फीस को लेकर मतभेद की अफवाहों पर भी अंकुश लग गया है। ऋषभ को अभी 16 करोड़ रुपए मिलते हैं, जो और बढ़ने की भी उम्मीद है। जिस प्रकार से इस क्रिकेटर ने कार हादसे के बाद वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। उससे उनकी मांग और बढ़ी है। टी20 विश्व में शानदार प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में भी ऋषभ ने जिस प्रकार से शतक लगाया है। उससे फ्रेंचाइजी मालिक खुश हैं। इस क्रिकेटर ने साल 2024 में दिल्ली की कप्तानी की थी। वहीं कहा जा रहा है कि अगर बीसीसीआई पांच रिटेंशन की अनुमति देता है तो अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को भी बरकरार रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त विदेशी खिलाड़ियों की सूची में जेक फ्रेजर-मैकगर्क और ट्रिस्टन स्टब्स को भी बनाये रखने की उम्मीद है। छठे रिटेंशन के विकल्प के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को भी शामिल किया जाएगा।

मुशफिकुर बांग्लादेश की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

चेन्नई। बांग्लदेश के मुशफिकुर रहीम ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। मुशफिकुर बांग्लादेश की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। मुशफिकुर ने अश्विन के ओवर में 13 रनों की पारी खेलकर ये रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही इस बल्लेबाज ने सभी प्रारूपों में 464 मैचों में 20 शतकों और 82 अर्द्धशतकों सहित कुल 15,205 रन बना लिए हैं। वहीं इससे पहले पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने 387 मैचों में 25 शतकों और 94 अर्धशतकों सहित कुल 15,192 रन बनाये थे। इसके अलावा अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने 446 मैचों में 14 शतकों और 100 अर्द्धशतकों के साथ 14,701 रन बनाये हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं। पहली पारी में मुशफिकुर आठ रन ही बना पाये थे।

चेन्नई टेस्ट : इंडिया ने सीरीज में 1-0 से ली बढ़त

भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 280 रनों से किया पराजित

चेन्नई।
भारतीय टीम ने रविवार को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश को 280 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद भारतीय टीम ने 227 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी में बल्लेबाजी की और चार विकेट पर 287 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इस तरह भारत की कुल बढ़त 514 रन की हो गई थी और बांग्लादेश को 515 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में रविवार को चौथे दिन सुबह बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में 234 रन पर सिमट गई और मैच हार गई। इसी के साथ भारतीय टीम ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा।

रविवार सुबह बांग्लादेश ने चार विकेट पर 158 रन से आगे खेलना शुरू किया। टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने सधी शुरुआत की। दोनों ने पहले एक घंटे में बिना कोई विकेट खोए करीब 35 रन जोड़े। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद मैच की कहानी पलट गई। अश्विन ने पहले शाकिब को पवेलियन भेजा। शाकिब ने 25 रन बनाए। फिर रवींद्र जडेजा ने लिटन दास को कैच आउट करा दिया। लिटन मात्र एक रन बना सके। इसके बाद अश्विन ने मेहदी हसन मिराज (8) को आउट कर टेस्ट में 37वीं बार पांच विकेट लेने की उपलब्धि हासिल की। जडेजा ने नजमुल हुसैन शांतो को आउट कर बांग्लादेश को 8वां झटका दिया। शांतो ने आठ चौके और तीन छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। फिर अश्विन ने तस्कीन अहमद को पवेलियन का रास्ता दिखाया। वह पांच रन बना सके। अंत में जडेजा ने हसन महमूद को 7 रन पर क्लीन बोल्ड कर बांग्लादेश की पारी 234 रन पर समेट दी। इससे पहले शनिवार को जाकिर हसन 33 रन, शदमान इस्लाम 35 रन, मोमिनुल हक 13 रन और मुशफिकुर रहीम 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। भारत की तरफ से दूसरी पारी में रविचन्द्रन अश्विन ने 6 विकेट लिए, जबकि रविन्द्र जडेजा ने तीन विकेट और जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट अपने नाम किया।

149 रनों पर सिमट गई थी बांग्लादेश की पहली पारी

बांग्लादेश की पहली पारी 149 पर ही सिमट गई थी। बांग्लादेश के लिए पहली पारी में शादमान इस्लाम 02 रन, जाकिर हसन 03 रन, कप्तान नजमुल हसन शांतो 20 रन, मुश्फिकुर रहीम 08 रन और मोमिनुल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। शाकिब अल हसन ने 32 और लिटन दास ने 22 रन बनाए थे। मेहदी हसन मिराज 27 रन बनाकर नाबाद रहे थे, जबकि तस्कीन अहमद और नाहिद राना ने 11-11 रनों का योगदान दिया था। भारतीय टीम की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिये थे।

भारत ने दूसरी पारी 287 रन पर की थी घोषित

भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित की थी। दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शानदार शतक लगाया। पंत ने 109 रन बनाए, जबकि गिल 119 रन बनाकर नाबाद रहे। पंत ने 128 गेंदों पर 13 चौके और 4 छक्के की बदौलत 109 रन बनाए। गिल 176 गेंदों पर 10 चौकों और 4 छक्कों की बदौलत 119 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि केएल राहुल 19 गेंदों पर 4 चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर नाबाद रहे। इनके अलावा दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा 5 रन, यशश्वी जायसवा 10 रन, विराट कोहली ने 17 रनों का योगदान दिया। दूसरी पारी में बांग्लादेश के लिए मेहदी हसन मिराज ने 2, तस्कीन अहमद और नाहिद राना ने 1-1 विकेट लिये।

भारत ने पहली पारी में बनाए 376 रन

भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए थे। स्टार ऑलराउंडर रविंचद्रन अश्विन ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 133 गेंदों पर 113 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 2 छक्के और 11 चौके लगाए। वहीं रवींद जडेजा ने भी अच्छी पारी खेली और बेहतरीन 86 रन बनाए। जडेजा ने अपनी पारी में 2 छक्के और 10 चौके लगाए। इनके अलावा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने अर्धशतक लगाते हुए 56 रन बनाए। ऋषभ पंत ने 39 रन, केएल राहुल 16 रन, रोहित शर्मा 6, विराट कोहली 6, जसप्रीत बुमराह 7, आकाश दीप ने 17 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश की ओर से पहली पारी में हसन महमूद ने 5 विकेट, तस्कीन अहमद ने 3, मेहदी हसन मिराज और नाहिद राना ने 1-1 विकेट लिये।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान टीम में कोई बदलाब नहीं

नई दिल्ली।
भारतीय टीम ने चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश की टीम को 280 रनों से हरा दिया है और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इसी बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। दोनों टीमों के बीच 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच खेला जाएगा।

चयन समिति ने पूर्व टीम पर विश्वास जताया

चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। जो टीम पहले मैच के लिए घोषित की गई थी, वही टीम दूसरे टेस्ट मैच के लिए भी बरकरार रखी है। प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। माना जा रहा था कि बुमराह को दूसरे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में बरकरार रखा है।

सरफराज खान, विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, तेज गेंदबाज यश दयाल, स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल और स्पिनर कुलदीप यादव भी दूसरे टेस्ट के लिए टीम में बरकरार हैं। इन सभी को पहले मैच में खेलने का मौका नहीं मिल पाया था। अब देखना होगा कि कानपुर टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 में कोई बदलाव होता है या इसी टीम के साथ भारतीय टीम उतरने का फैसला करेगी।

दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल प्लेइंग 11 में शामिल हैं यानि पूर्व टीम मेंकोई बदलान नहीं किया गया है।

ऋषभ पंत की सफलता से उत्साहित हैं उनके कोच देवेंद्र शर्मा

चेन्नई।
भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कार हादसे के बाद पहले ही टेस्ट में शानदार शतक लगाया है। इसमें उनके कोच की सलाह की भी अहम भूमिका रही। कोच देवेंद्र शर्मा ने ऋषभ से कहा था कि अच्छी गेंदों को सम्मान देने के साथ ही सावधानी से बल्लेबाजी करना। इसी सलाह पर अमल कर वह टीम के सबसे अहम खिलाड़ी के तौर पर उभरकर सामने आये हैं।

ऋषभ के कोच देवेंद्र ने कहा कि मैं ऋषभ की सफलता पर बेहद खुश हूं। ये शतक उनके लिए एक अहम है क्योंकि वापसी के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक है। ऋषभ का यह छठा टेस्ट शतक है। इस पारी से वह पूव कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के एक रिकार्ड की बराबरी पर आ गये। धोनी ने जहां 90 टेस्ट में छह शतक लगाये, वहीं इस बल्लेबाज ने केवल 34 टेस्ट मैचों में ही ये आंकड़ा हासिल कर लिया। ऋषभ छह से ज्यादा बार 90 रन के ऊपर भी आउट हुए हुए हैं। कोच देवेंद्र ने कहा कि गाबा में सीरीज जीतने वाली पारी सभी के लिए अहम रहेगी पर एक कोच के तौर पर मुझे लगाता है कि चेपक मैदान पर खेली पारी भी बेहद अहम है क्योंकि ये कठिन समय में बनी थी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी को सफलता के लिए आत्मविश्वास की जरुरत होती है और सफेद गेंद की क्रिकेट में आप कितनी भी उपलब्धि हासिल करे, टेस्ट मैचों की आपकी उपलब्धियों को हमेशा ज्यादा वरीयता दी जाती है। साथ ही कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद और जिस तरह से वापसी कर ये पारी खेली गयी है वह गाबा से कम नहीं बल्कि अधिक अहम मानी जाएगी। आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा।

पंजाब किंग्स से जुड़े रिकी पोंटिंग..... दिल्ली कैपिटल्स में रहना एक मुद्दा बन गया

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति होते ही दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से जुड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए दिल्ली कैपिटल्स में रहना एक मुद्दा बन गया था, क्योंकि फ्रेंचाइजी की इच्छा की थी कि वह पूरी तरह से मुख्य कोच के रूप में कार्य करें।

पोंटिंग ने बताया कि आईपीएल 2025 से पंजाब किंग्स का नया मुख्य कोच बनना उनके लिए एक नया अवसर है, खासकर तब जब दिल्ली कैपिटल्स के साथ उनका सात साल का कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ है। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि हमने दिल्ली में एक अच्छा पारिवारिक माहौल बनाया था। लेकिन फ्रेंचाइजी चाहती थी कि मैं पूर्णकालिक मुख्य कोच के रूप में कार्य करूं, जो मैं नहीं कर सका। इस कारण से मुझे निराशा हुई कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा रिश्ता खत्म हो गया। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2024 सीजन में नौवें स्थान पर रहकर खराब प्रदर्शन किया है और 2014 के बाद से प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी है। अब पोंटिंग के सामने अगली चुनौती खिलाड़ी चयन की होगी, जिसमें आगामी आईपीएल रिटेंशन और बोली प्रक्रिया शामिल है। पोंटिंग का आईपीएल सफर 2008 में शुरू हुआ था, वे कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल हुए थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस में कप्तानी की और टीम को 2013 में अपना पहला खिताब दिलाया।

प्रेरिता साहू और मिलन चौहान ने हासिल किया स्वर्ण पदक

इन्दौर। 8वीं दक्षिण एशियाई आत्या पाट्या प्रतियोगिता जो कि भूटान में 13 से 15 सितंबर तक खेली गई थी में इंदौर मध्यप्रदेश की प्रेरिता साहू ने महिला टीम और मिलन चौहान ने पुरुष टीम की और से भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। बता दें कि भूटान में खेली गई इस 8 वीं दक्षिण एशियाई आत्या पाट्या प्रतियोगिता के लिए इंदौर मध्यप्रदेश की ही मयूरी वर्मा को महिला टीम के मैनेजर पद पर मनोनीत किया गया था।

लंदन में आईबीएफ विश्व हैवीवेट मुक्केबाजी के खिताबी मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित डेनियल और उसके साथी।

महिला टी20 विश्व कप- यूएई की पिच घरेलू मैदान जैसी, हमें मिलेगा फायदा : मिताली

नई दिल्ली।
भारतीय महिला क्रिकेट की पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारत को अन्य टीमों के मुकाबले ज्यादा फायदा होगा क्योंकि यूएई की पिच घरेलू मैदान जैसी ही हैं। आईसीसी ने बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण इसे यूएई के दुबई और शारजाह में कराने का फैसला लिया है।

मिताली ने कहा कि यूएई की परिस्थितियां भी काफी अनुकूल हैं इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारी टीम को फायदा मिलेगा लेकिन पूर्व बल्लेबाज ने आत्ममुग्धता से बचने की हिदायत दी क्योंकि हर टीम टूर्नामेंट के लिए पूरी तैयारी कर रही है और मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरेगी। आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय महिला टीम को अभी अपना पहला वैश्विक खिताब जीतना बाकी है।

मिताली ने कहा कि भारतीय महिला टीम ने अभी तक अंडर-19 विश्व कप के अलावा कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं चाहूंगी कि टीम अच्छा खेले क्योंकि जब हम विश्व कप में जाते हैं तो हर किसी की तरह हम भी अपनी टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। भारतीय महिला टीम अपने अभियान का आगाज 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। भारत को ग्रुप-ए में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा है।

रोशनी छीन सकता है आईलाइनर लगाने का गलत तरीका

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। छोटी आंखें भी आईलाइनर लगा लेने भरी से और खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। लगत तरीके से आईलाइनर नगाने से न सिर्फ मेकअप खराब होता है, बल्कि आपकी आंखों को काफी नुकसान पंहुचा सकता है। आई एंड कांटेक्ट लेंस जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार यदि लैश लाइन की रेखा के भीतर आईलाइनर लगाया जाए तो ये नजर को धुंधला कर सकता है।

मोटे होने का सपना हुआ साकार

कहते है मोटापा हर किसी को परेशान करता है, लेकिन इस महिला का सपना ही था की वे मोटी हो जाए, दरअसल इस महिला का सपना था की वे दुनिया की सबसे मोटी महिला बने, जिसके चलते इस महिला ने 721 किलो का वजन बढाकर खुद के लिए एक नई मुसीबत पैदा कर ली क्यूंकि इस महिला ने 10 साल तक हर दिन 13,000 कैलोरी खाकर खुद का वजन बड़ा लिया, जिससे इनका ब्रेकअप हो गया।

पास्ता खाने का शौक बना सकता है डिप्रेशन का मरीज

अगर आप पास्ता खाने के शौकीन हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है क्योंकि पास्ता खाने से आप डिप्रेशन के मरीज बन सकते है। जी हां, ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकता है। एक रिसर्च के मुताबिक चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं, पर इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं।

क्या है गोलगप्पे की असलियत?

गोलगप्पे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। चटाखेदार मसाला पानी, उबले आलू मटर से भरे गोल-गोल गोलगप्पों को बच्चे से लेकर बड़े सभी बहुत शौक से खाते हैं। चटपटे पानी से भरे इन गोलगप्पों को हर अवसर के मेन्यू में शामिल किया जाता है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसे ज्यादा मात्रा में लेने से आपके शरीर का पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है यह सूजी से भी बनाएं जाते है और आटे से भी। ये जायकेदार गोलगप्पे भारत के कई राज्यों में खाए जाते हैं और इन्हें हर जगह अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है।

गोलगप्पे के अलग-अलग नाम

दिल्ली शहर मे बिना सूजी के गोलगप्पे खाए और बिना चटपटा पानी पिए खरीददारी अधूरी लगती है। वहीं यह मुंबई में पानी पुरी के नाम से जाने जाते है और कोलकाता मे फुचके। इसके अलावा गुजरात के कुछ हिस्सों में इन्हें पकौड़ी भी कहा जाता है। यहां इसमें सेव और प्याज भी डाली जाती है। इसका पानी पुदीना और हरी मिर्च के पेस्ट से तैयार किया जाता है जो गाढ़ा होता है। चटक मसाले वाला पानी गोलगप्पे में डाल कर खाने का मजा ही कुछ और है लेकिन इसको बनाने की विधि शायद आप नहीं जानते हों। लेकिन आज हम आपको इसके बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसको देखकर शायद आप गोलगप्पे खाना छोड़ दें और आपके मुंह में जो गोलगप्पों को देखकर पानी आ जाता है वह भी आना बंद हो जाएगा।

गोलगप्पे बनाने का गलत तरीका

जी हां गोलगप्पों के पीछे छिपी एक ऐसी सच्चाई जो अगर आपको पता चल जाए तो शायद आप अगली बार गोल गप्पे खाने की हिम्मत न कर सकें। और ऐसा देखकर ये तो पक्का है कि आपके मुंह में पानी नही आएगा लेकिन हां उबकाई जरूर आ सकती है। तो देर किस बात की आइए जानें क्या है वह सच्चाई। दरअसल हर गली मोहल्ले में बिकने वाले इस स्वादिष्ट गोलगप्पे को जिस आटे से तैयार किया जाता है उसे गूंथने के लिए काफी समय और मेहनत लगती है। इसे हाथों से गूंथना थोड़ा मुश्किल होता है इसलिए इसे बनाने वाले कारीगर इसे जमीन पर रखकर पैरों से गूंथते हैं। साथ ही गोलगप्पों का लजीज स्वाद आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। डीप फ्राई की हुई ये पूरियां आपके लिए पूरी तरह से हानिकारक हैं। क्योंकि इन्हें तलने के लिए बार-बार एक ही तेल का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसकी चटनी और पानी आपको पेट के लिए हानिकारक होते हैं। क्यों अब क्या कहना है आपका इन गोलगप्पों के बारे में! जी हां, आप इसे कितना भी साफ सुथरा मान लें लेकिन यह उतना साफ होता नहीं है। तो देर न करें बल्कि अपने परिवार के लोगों और दोस्तों के साथ भी इस जानकारी को शेयर करें, क्योंकि जिसे आप अच्छा समझ कर खा रहे हैं वह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

ज्यादा डकार आना गंभीर बीमारियों का संकेत

जिस प्रकार हम सामान्य रूप से हवा अंदर लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। यह एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि खाया गया भोजन हजम हो जाने का डकार एक संकेत होता है। वास्तविकता में ऐसा नहीं है, जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार आए इसका मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है, और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि। लेकिन अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा -

ऐरोफेजिया होने पर

अकसर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

बदहजमी की समस्या

जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाज़मा खराब होना, जिसे हम बदहज़मी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कराण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित व बड़ा बदलाव या तनाव का बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

जीइआरडी

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी से आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूट पाईप)में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खानपान और जीवनशैली में कई सकारात्मक व स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ व दस्त आदि हो सकते हैं। साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी हो सकता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच.पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

अचानक कॉफी पीना बंद करने से बढ़ती है निगेटिविटी

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कॉफी, डायबटीज, कैंसर और कई गंभीर बीमारियों को होने से बचाती है। कॉफी में एल्कॉयड होता है जिसकी वजह से ब्रेन सक्रिय रूप से कार्य करता है। एक कप कॉफी को सुबह-सुबह पीने के बाद आपको अच्छा महसूस होता होगा, फ्रैश लगता होगा। कई लोगों को दिन में कई बार या दो बार कॉफी पीने की आदत भी होती है। पर तब क्या होता है जब आप अचानक से कॉफी पीना बंद कर देती हैं या देते हैं, तब शरीर कैसे रिएक्ट करता है।

जब आप लम्बे समय तक कॉफी का सेवन करते आ रहे होते हैं और अचानक से उसे पीना छोड़ देते हैं, तो आपका शरीर एक असंतुलन महसूस करता है। इस वजह से उन दिनों आलस बना रहता है और दिन भर बोझिलता सी महसूस होती है। साथ ही व्यक्ति की प्रोडक्टिविटी भी कम हो जाती है। आप किसी प्रकार अपने दैनिक कार्यों को करने लग जाएंगे, लेकिन आपकी मानसिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने लगेगा। आपको लगेगा कि अब आप पहले की तरह फास्ट तरीके से नहीं सोच पाते हैं। साथ ही आपको अपनी ऊर्जा में भी गिरावट महसूस होगी। बेहतर होगा कि आप उस समय मीठे फल अवश्य खाएं। ऐसे में एकदम कॉफी न छोड़ें। रात को सोते समय चाहें तो कॉफी पी लें। हर्बल टी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इससे आपको रिलैक्स महसूस होगा और नींद भी अच्छी आएगी। साथ ही आप खुद को ऊर्जावान भी महसूस करेंगे।

जानें क्यों लगती है बार-बार भूख...

> अपने मनपसंद खाने को देखकर किसी का भी मन ललचा सकता है। और कभी-कभी अगर ज्यादा खा भी लिया जाए तो कोई बात नहीं, लेकिन अगर यह आदत बन जाए तो फिर आपको बार-बार भूख लगती है जो आपके लिए अच्छा नही हैं।

मेडिकल भाषा में बार-बार भूख लगने को फूड एडिक्शन कहते हैं। रोजाना जरूरत से ज्यादा खाने को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। फूड एडिक्शन एक तरह का इटिंग डिसऑर्डर है। इसमें लोगो को बार-बार भूख लगती है। हालांकि ज्यादातर लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन इस पर अगर कंट्रोल न किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

बिना भूख के खाना: बार-बार खाने की आदत होने पर व्यक्ति खाता ही चला जाता है। वह खाने पर पूरी तरह कंट्रोल खो बैठता है। बिना भूख के भी थोड़े-थोड़े समय के बाद वह खाना खाता ही रहता है। उसे भरा हुआ पेट अच्छा लगने लगता है। पहले का खाना थोड़ा सा डाइजेस्ट होते ही वह दोबारा खा लेता है। कई बार तो वह खाना डाइजेस्ट होने का इंतजार भी नही करता और दोबारा खा लेता है।

एनर्जी लेवल: फूड एडिक्शन की एक खास वजह न्यूरोबायलॉजिकल इम्बैलेंस है। एक बार इसका लेवल बॉडी में गिरता है, तो व्यक्ति को कमजोरी महसूस होती है। वह फिर से खाना शुरू कर देता और फिर उसे बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए हमेशा खाना पड़ता है। हालांकि, बार-बार खाने वाला व्यक्ति अपनी इस आदत से गिल्ट महसूस करता रहता है, लेकिन सिचुएशन ऐसी बन जाती है कि वह चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता।

वजन बढ़ना व मोटापा: फूड एडिक्शन से वजन बढ़ना व मोटापा होता है। वजन बढ़ने से कई और बीमारियां आपको जकड़ लेती है। जैसे शरीर की काम करने की क्षमता कम हो जाती है और आप जल्दी थकने लगते हैं।

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना: वह न चाहते हुए भी कई चीजें ऐसी ज्यादा खा लेता है जिनके ज्यादा खाने से कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ जाता है और इससे दिल का दौरा, हृदयघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लीक से हटकर करियर के बहुत सारे ऐसे विकल्प भी होते हैं, जहां अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा का ज्ञान फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको नई भाषाएं सीखना पसंद हैं, तो आप विदेशी भाषाओं को सीखकर उनमें अपना करियर बना सकते हैं। आज भारत के विभिन्न देशों से बढ़ते व्यापारिक एवं पर्यटन संबंधों ने देश के युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य का रास्ता खोल दिया है। वैश्विक परिदृश्य में लगातार भारत में विदेशियों की आवाजाही बढ़ी है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते वैश्वीकरण के चलते भारत में विदेशों से बहुत काम आ रहा है। इसके लिए कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें विदेशी भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो। किसी भी भाषा का पुख्ता ज्ञान आपकी सफलता में सहायक सिद्ध हो सकता है। अब यह पुरानी बात हो गई कि जब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में ही करियर बनाया जा सकता था। जर्मन, चाइनीज, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी भाषाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी मांग रहती है। किसी भी विदेशी भाषा का कोर्स करने के लिए किसी खास विषय या स्ट्रीम से जुड़े होने की बाध्यता नहीं है।

अवसरों का खजाना

इस क्षेत्र में कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें टूअर आपरेटर ऑनलाइन विषय लेखक, तकनीकी ट्रांसलेटर, डिकोडर, इंटरप्रेटर एवं ट्रांसलेटर आते हैं। विदेशी भाषाओं में शैक्षिक योग्यता टूरिज्म, मनोरंजन, जनसंपर्क एवं अन्य जनसंचार माध्यम, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, एंबेसी, डिप्लोमेटिक सेवाएं, प्रकाशन और बीपीओ क्षेत्रों में करियर बनाने में महत्त्वपूर्ण साबित होती है। टूरिज्म एवं कॉल सेंटर ऐसे क्षेत्र हैं जहां विदेशी भाषा के कुशल ज्ञान ने करियर के नए आयाम विकसित किए हैं। सरकारी कामों में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी के अलावा पश्तो, उज्बेक, ताजिक और पुर्तगाली जानने वालों की भी आजकल काफी मांग है। अनुवादक एवं दुभाषिए से संबंधित नौकरियों के अलावा सचिव, एग्जीक्यूटिव और जनसंपर्क में भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कोर्स के लिए योग्यता

इस कोर्स के लिए 12वीं होना अनिवार्य है । अलग-अलग संस्थान के लिए सीमाएं अलग-अलग है। प्रवेश परीक्षा से लेकर किसी में कट ऑफ लिस्ट या फिर सीधे दाखिले का भी चयन है। कई छात्रों का मानना है कि अगर उनकी अंग्रेजी अच्छी है तभी वे इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं लेकिन ऐसा सोचना गलत है। अगर आप हिंदी भाषा में निपुण हैं तो भी आप विदेशी भाषा को सहजता से सीख सकते हैं। बस आपकी किसी भी एक भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है और आपकी बातचीत का अंदाज अच्छा होना चाहिए ।

काम के हिसाब से वेतन

इस क्षेत्र में वेतन कार्य के हिसाब से मिलता है। अगर आप शिक्षण के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं, तो 25 से 30 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। ट्रांसलेटर को 100 से 150 रुपए प्रति पेज के हिसाब से मिलते हैं। इंटरप्रेटर को घंटों के हिसाब से मेहनताना मिलता है। सरकारी संस्थानों में इंटरप्रेटर को 20 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। विदेशी भाषा में करियर बनाने का अलग ही आनंद और आकर्षण है। विदेशी भाषा जानने से आप उस देश की संस्कृति और रहन-सहन से भी परिचित होते हैं। विदेशी भाषा के ज्ञान द्वारा उस देश के बारे में जानने का अवसर मिलता है। और तो और आपके विदेश जाने के अवसर बढ़ जाते हैं। विदेशी भाषा को सीखने के बाद सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप कभी काम की कमी महसूस नहीं करेंगे। कोई भी कंपनी आपको हाथोंहाथ काम देगी।

विदेशी

भाषा में खास कैरियर

प्रमुख संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जेएनयूए नई दिल्ली
- आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
- बीएचयू, वाराणसी
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा
- पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

तीन तरह के कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स	अवधि दो साल
डिप्लोमा कोर्स	अवधि दो साल
डिग्री कोर्स	अवधि तीन साल

- बहुत से संस्थानों में बेसिक लेवल और एडवांस्ड लेवल दोनों ही कोर्स करवाए जाते हैं।
- इनमें स्नातकोत्तर डिग्री भी ली जा सकती है।

डिग्री के साथ संवाद क्षमता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिग्री के साथ-साथ संवाद की बेहतर क्षमता का होना जरूरी है। इसके लिए भाषा और संस्कृति का ज्ञान आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के व्यवसाय का विस्तार होने से मांग बढ़ेगी। तकनीकी और फार्मास्यूटिकल कंपनियां, कार कंपनियां सभी जगह विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है।

किस भाषा का है चलन

यूं तो विदेशी भाषा में कई भाषाएं शामिल हैं, जिनमें जापानी, अरैबिक, चाइनीज, स्पेनिश आदि शामिल हैं लेकिन अधिक चलन फ्रेंच और जर्मन भाषा सीखने का है । कई संस्थान ऐसे भी हैं जो केवल फ्रेंच या जर्मन भाषा ही सिखाते हैं और आप यहां से डिप्लोमा से लेकर एडवांस डिप्लोमा, डिग्री और चाहें तो मास्टर्स भी कर सकते हैं। इन भाषाओं में कोर्स करने के बाद आपके सामने रोजगार का खुला आसमान होता है।

रेसिपी

मुट्ठामर्रा

सामग्री

3/4 कप कटे हुए अखरोट, 1 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 3/4 कप ताज़े ब्रेड क्रम्ब्स, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून अनार के दाने, 5 टेबल-स्पून जैतून का तेल, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** हर्बड पीटा स्ट्रिप्स

विधि

सूखी लाल मिर्च को उपयुक्त मात्रा के गरम पानी में डालकर एक बाउल में रखें, ढक्कन से ढककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। अच्छी तरह छान लें। लाल मिर्च के साथ, सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रखकर, हर्बड पीटा स्ट्रिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

नाचनी पनीर पॅनकेक

सामग्री

1 कप रागी/नाचनी का आटा, 1/2 कप कसा हुआ लो-फैट पनीर, 2 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून तिल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/4 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून अदरक का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, **चुपड़ने और पकाने के लिए:** 2 1/2 टी-स्पून तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में लगभग 1 कप पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करे और द टी-सपून तेल से चुपड़ लें चम्मच भर घोल डालकर गोल घुमाते हुए 125 मिमी (5) व्यास के आकार का पॅनकेक बना लें। द टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**